संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 38
पृष्ठ 8
रविवार
26 अक्टूबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बिना वजह आवाज भारी लगना....

विचार- रक्षा और पशुकल्याण साथ चलें ...

खेल- बसपा के पूर्व विधायक और ...

खगड़िया में गरजे अमित शाह

लालू-राबड़ी की वापसी मतलब फिर से जंगलराज! विकास ही एनडीए का लक्ष्य

खगड़िया,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खगड़िया में एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को छठ पर्व के अवसर पर संबोधित करते हुए बिहार के विकास और सुरक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बिहार कभी जंगलराज का शिकार नहीं होगा और बहू–बेटियां सुरक्षित रहेंगी। अमित शाह ने कहा, मैं छठ मैया से यही प्रार्थना करता हूं। मुझे लगा था कि छठ पर्व के बीच कौन आएगा, लेकिन पूरा पंडाल भर गया है। अमित शाह ने स्पष्ट किया कि यह चुनाव विधायक या मुख्यमंत्री चुनने का नहीं, बल्कि बिहार में विकास की दिशा तय करने वाला है। उन्होंने कहा, लालू–राबड़ी की सरकार आई तो जंगलराज वापस आएगा, वहीं एनडीए की सरकार आई तो विकसित बिहार पूरे भारत में अपना डंका बजाएगा। शाह ने महागठबंधन सरकार पर कड़ी निंदा करते हुए कहा कि लालू यादव ने "लैंड फॉर जॉब" और "अलकतरा" जैसे बड़े घोटाले किए हैं। उन्होंने कांग्रेस के दस साल के शासनकाल को भी घोटालों से भरा बताया। शाह ने आरोप लगाया कि बिहार और केंद्र में घोटालों के रिकॉर्ड वाले लोग महागठबंधन में हैं, जो बिहार के विकास का बीड़ा कभी उठा नहीं सकते।

केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि बिहार का विकास केवल नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में संभव है। उन्होंने ग्रामीण विकास, सुरक्षा व्यवस्था और रोजगार सृजन को आगे बढ़ाने के लिए एनडीए को बहुमत दिलाने की अपील की। खगड़िया की इस जनसभा में अमित शाह की धमाकेदार उपस्थिति और तगड़े आरोपों ने चुनावी माहौल गरमा दिया है। बिहार के लोगों के लिए यह चुनाव विकास का समय है, न कि फिर से जंगलराज के अंधकार में लौटने का।

छठ महापर्व देता है सामाजिक सद्भाव की प्रेरणा-प्रधानमंत्री

नयी दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज से शुरु हुए चार दिवसीय छठ महापर्व पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं और कहा है कि सादगी और संयम का प्रतीक यह पर्व सामाजिक सद्भाव की प्रेरणा देता है। मोदी ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, नहाय–खाय के पावन अनुष्ठान के साथ आज से चार दिवसीय महापर्व छठ का शुभारंभ हो रहा है। बिहार सहित देशभर के श्रद्धालुओं को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। सभी व्रतियों को मेरा नमन और वंदन।प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृति का यह विराट उत्सव सादगी और संयम का प्रतीक है, जिसकी पवित्रता और नियम–निष्ठा अतुलनीय है। इस पावन अवसर पर छठ के घाटों पर जो दृश्य दिखाई देता है उसमें पारिवारिक बंधन और सामाजिक सद्भाव की अद्भुत प्रेरणा होती है। छठ की प्राचीन परंपरा का हमारे समाज पर बहुत गहरा प्रभाव रहा है। विश्व के कोने कोने में छठ को संस्कृति के महाउत्सव के रूप में मनाये जाने का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि पूरी दुनिया में रहने वाले भारतवंशी परिवार इसकी परंपराओं में पूरी आत्मीयता से सम्मिलित होते हैं। उन्होंने कहा, मेरी कामना है कि छठी मइया सबको अपना भरपूर आशीर्वाद दें। मोदी ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, उपासना और प्रकृति प्रेम का एक अनूठा संगम है। इसमें जहां अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्यदेव को अर्घ्य दिया जाता है, वहीं प्रसाद में भी प्रकृति के विविध रंग समाहित होते हैं। छठ पूजा के गीत और धुनों में भी भक्ति और प्रकृति का अद्भुत भाव भरा होता है। उन्होंने कहा , मेरा सौभाग्य है कि कल ही मुझे बेगूसराय जाने का अवसर मिला था। बिहार कोकिला शारदा सिन्हा जी का बेगूसराय से आत्मीय रिश्ता रहा है। शारदा सिन्हा जी और बिहार के कई लोक कलाकारों ने अपने गीतों से छठ के उत्सव को एक अलग भाव से जोड़ा है।

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा-

सरकार अगले बीस वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखकर कर रही विकास

नयी दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि हमारी सरकार दिल्ली के हर क्षेत्र का विकास अगले बीस वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखकर भविष्य गढ़ने का कर रही है। रेखा गुप्ता ने कहा, आज पीतमपुरा के वैशाली एन्कलेव में नई सीवर लाइन, नई सड़क और ड्रेनेज सिस्टम के कार्यों का शुभारंभ किया। साथ ही, सीवर की सफाई के लिए नई मिनी रीसायक्लर मशीनों की सौगात भी दिल्ली को मिली है। हमारी सरकार दिल्ली के हर क्षेत्र का विकास अगले 20 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखकर कर रही है। अब काम केवल मरम्मत का नहीं, बल्कि भविष्य गढ़ने का है। उन्होंने कहा, षपिछले आठ महीनों में दिल्ली ने अपनी सालों पुरानी समस्याओं से राहत महसूस की है। जहां पहले मिंटो ब्रिज पर पानी भरता था, वहां अब ट्रैफिक बिना रुके चलता है। जहां कभी यमुना किनारे गंदगी थी, वहां अब भव्य छठ महापर्व की तैयारी हो रही है। देसी पेड़ों और हरियाली की नई परंपरा शुरू हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा, विकसित दिल्ली का हमारा विजन स्पष्ट है, हर वार्ड में स्वच्छ जल निकासी, हर गली में मजबूत सड़क, हर घर तक शुद्ध पानी और हर नागरिक के लिए विकसित, सुंदर और हरी भरी राजधानी।

बिहार जाने वाली ट्रेनों में भीड़ को लेकर भड़के राहुल गांधी

बेबस यात्री एनडीए की छल वाली नीतियों का सबूत

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को बिहार जाने वाली ट्रेनों में भीड़ को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि बिहार जाने वाली ट्रेनें पूरी तरह भरी हुई हैं, टिकट मिलना लगभग असंभव है और यात्रा अमानवीय बन गई है। उन्होंने कहा कि ये बेबस यात्री एनडीए सरकार की छल भरी नीतियों और इरादों का जीता–जागता सबूत हैं। राहुल ने कहा कि सुरक्षित और सम्मानजनक यात्रा कोई एहसान नहीं, बल्कि एक अधिकार है। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, ष्त्योहारों का महीना है – दिवाली, भाईदूज, छठ। बिहार में इन त्योहारों का मतलब सिर्फ आस्था नहीं, घर लौटने की लालसा है– मिट्टी की खुशबू, परिवार का स्नेह, गांव का अपनापन। लेकिन यह लालसा अब एक संघर्ष बन चुकी है। बिहार जाने वाली ट्रेनें ठसाठस भरी हैं, टिकट मिलना असंभव है, और सफर अमानवीय हो गया है। कई ट्रेनों में क्षमता से 200प्रतिशत तक यात्री सवार हैं। लोग दरवाजों और छतों तक लटके हैं।

कांग्रेस नेता ने आगे कहा, ष्फेल डबल इंजन सरकार के दावे खोखले हैं। कहां हैं 12,000 स्पेशल ट्रेनें? क्यों हालात हर साल और बदतर ही होते जाते हैं? क्यों बिहार के लोग हर साल ऐसे अपमानजनक हालात में घर लौटने को मजबूर हैं? अगर राज्य में रोजगार और सम्मानजनक जीवन मिलता, तो उन्हें हजारों किलोमीटर दूर भटकना नहीं पड़ता। बता दें कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव त्योहारों में ट्रेनों में बढ़ती भीड़ के मद्देनजर खुद व्यवस्थाओं का जायजा लेने कई बार नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचे हैं। इसी शनिवार को उन्होंने स्टेशन पर ट्रेन में चढ़कर सफाई, खानपान, टिकट व्यवस्था, सुरक्षा और समयबद्धता को लेकर यात्रियों से फीडबैक लिया। कई यात्रियों ने अपनी समस्याएं और सुझाव साझा किए जिन पर मंत्री ने मौके पर ही अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

वैष्णव ने कहा था कि त्योहारों के दौरान रेलवे के सामने सबसे बड़ी चुनौती यात्रियों की बढ़ती संख्या को संभालना होती है। हमारा लक्ष्य है कि हर यात्री को सुरक्षित व समय पर सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिले। दिवाली और छठ पर्व को ध्यान में रखते हुए विशेष ट्रेनों की संख्या बढ़ाई गई है और सभी प्रमुख स्टेशनों पर अतिरिक्त स्टाफ व हेल्प डेस्क लगाए गए हैं। यात्री सुविधा केंद्र में बहुत सारे टिकट काउंटर हैं। यात्रियों का आवागमन व्यवस्थित तरीके से हो रहा है।

एनएचआरसी ने मांगी रिपोर्ट

खाना बनाने के तेल के दोबारा इस्तेमाल से मानवाधिकारों का उल्लंघन होने का आरोप

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए खाना बनाने के तेल के दोबारा इस्तेमाल करने के खिलाफ कार्रवाई करते हुए फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया से रिपोर्ट मांगी है। साथ ही आयोग ने एफएसएसएआई को शिकायत संबंधी जांच कर दो हफ्ते में विस्तृत रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। शिकायतकर्ता ने खाना बनाने के तेल के दोबारा इस्तेमाल को मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बताते हुए इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन माना है। देशभर में खाने के तेल के दोबारा इस्तेमाल के खिलाफ सार्थक सामुदायिक विकास एवं जन कल्याण संस्था, भोपाल के संस्थापक द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत में कहा गया है कि देशभर में छोटे होटलों, सड़क किनारे लगने वाले ठेले–खोमचों और फूड वेंडर्स द्वारा खाने के तेल का बार–बार इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे जन स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा हो रहा है और इससे कैंसर, हृदय संबंधी बीमारियां और लिवर संबंधी बीमारियां होने का खतरा है। शिकायत में ये भी कहा गया है कि कई बार इस्तेमाल करने के बाद बचे हुए तेल को पानी या जमीन पर लापरवाही से फेंक दिया जाता है, जिससे पानी और मिट्टी प्रदूषित होती है। इससे पर्यावरण को लंबे समय में नुकसान होता है। शिकायतकर्ता ने इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन बताते हुए मानवाधिकार आयोग से इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है। शिकायतकर्ता ने मानवाधिकार आयोग से इस मामले में एफएसएसएसएआई, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नगर निगमों को निर्देश देने की मांग की। शिकायतकर्ता ने मांग की है इस्तेमाल तेल को लेकर सख्त नियम बनाने की मांग की और तेल को दोबारा इस्तेमाल लायक बनाने के लिए अधिकृत केंद बनाने का भी सुझाव दिया और साथ ही लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाने की भी मांग की।

तमिलनाडु में अगले हफ्ते शुरू होगा मतदाता सूची पुनरीक्षण

चेन्नई,एजेंसी। बिहार के बाद अब तमिलनाडु में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेसिव रिवीजन) कराने की तैयारियां कर ली गई हैं। निर्वाचन आयोग ने मद्रास हाईकोर्ट को जानकारी दी है कि वह तमिलनाडु समेत चुनावी राज्यों में एसआईआर का अभियान अगले हफ्ते से शुरू करेगा। चुनाव आयोग ने मद्रास हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस मनींद्र मोहन श्रीवास्तव और जस्टिस जी. अरुलमुरुगन की बेंच को बताया कि बिहार की तरह ही यह प्रक्रिया तमिलनाडु में भी हफ्ते भर के अंदर शुरू की जाएगी। हाईकोर्ट को ईसी की तरफ से यह जानकारी ऐसे समय में दी गई है, जब ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कझगम (एआईएडीएमके) पार्टी के पूर्व विधायक बी. सत्यनारायणन की याचिका पर सुनवाई जारी है। पूर्व विधायक का आरोप है कि चेन्नई के टी. नगर निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव अधिकारियों ने लगभग 13,000 एआईएडीएमके समर्थकों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए। याचिकाकर्ता के अनुसार, 1998 में क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या 2,08,349 थी, जबकि 2021 तक यह केवल 36,656 बढ़ी। उन्होंने कहा कि जनसंख्या और मतदाता संख्या में बड़ा अंतर है। उनका यह भी आरोप है कि जहां 13,000 समर्थकों के नाम हटा दिए गए हैं, वहीं मृत व्यक्तियों के नाम अब भी सूची में बने हुए हैं।" सत्यनारायण का आरोप है कि इससे द्रविड़ मुनेत्र कझगम (द्रमुक) को फायदा हुआ। पूर्व विधायक ने अदालत से अपील की कि 2026 विधानसभा चुनावों से पहले टी. नगर निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची का पूर्ण पुनरीक्षण किया जाए।

चंद्रबाबू नायडू का ऐलान

यह दशक मोदी का है, नीतीश कुमार के लिए करूंगा प्रचार

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर कभी राजनीतिक जिम्नास्टिक का कोई पुरस्कार होता, तो निःसंदेह नीतीश कुमार स्वर्ण पदक की दौड़ में होते और चंद्रबाबू नायडू पोडियम फिनिश के लिए प्रतिस्पर्धा करते। नरेंद्र मोदी के कट्टर विरोधियों से लेकर उनके वफादार सहयोगियों तक, दोनों मुख्यमंत्रियों का रूपांतरण लगभग पूरा हो चुका है। जिस तरह से जनता दल (यूनाइटेड) और तेलुगु देशम पार्टी संसद में वक्फ संशोधन विधेयक के समर्थन में खड़ी हुईं, वह इस बात का और सबूत है कि पिछले दस महीनों में पासा कितनी तेजी से पलटा है। जून 2024 में त्रिशंकु संसद के फैसले के बाद फैसले लेने की स्थिति में होने से, नीतीश और नायडू दोनों ने अब चुपचाप भाजपा की प्रमुख स्थिति को स्वीकार कर लिया है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू मौजूदा दशक को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दशक बताते हुए कहा कि उन्हें आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत पर पूरा विश्वास है। नायडू ने यह भी कहा कि वह बिहार में राजग उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगे। 'पीटीआई वीडियो' को दिए एक विशेष साक्षात्कार के दौरान नायडू ने केंद्र की राजग सरकार को "प्रगतिशील" बताया और कहा कि यह आम आदमी के हित के लिए कई सुधार ला रही है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश में तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के नेतृत्व वाली राजग सरकार ने एक वर्ष के अंदर ही "सुपर सिक्स" चुनावी वादों को सफलतापूर्वक पूरा कर दिया है।

नायडू ने कहा कि आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील के प्रस्तावित 7.3 मिलियन टन प्रति वर्ष (प्रारंभिक क्षमता) वाले इस्पात संयंत्र की आधारशिला अगले महीने आंध्र प्रदेश में रखी जाएगी। उन्होंने कहा, "भारत में बहुत ही दिलचस्प चीजें हो रही हैं। हमारे माननीय प्रधानमंत्री सालों से राजनीति में हैं। वह हमेशा चुनाव जीतते रहे हैं। पहले वह गुजरात के मुख्यमंत्री थे। 2014 से अब तक, यानी 11 वर्षों से वह प्रधानमंत्री हैं। अब और चार वर्ष तक वह रहेंगे।"

नायडू ने कहा, "यह दशक नरेन्द्र मोदी का है। और जब यह दशक नरेंद्र मोदी जी का है, तो स्वाभाविक रूप से यह भारतीयों का भी है।" नायडू ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि सत्तारूढ़ राजग अगले महीने होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करेगा। यह पूछे जाने पर कि क्या वह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए प्रचार करेंगे, तो उन्होंने उत्तर दिया, "हां। जब भी राजग मुझे बुलाएगा, मैं जाने और उनके साथ काम करने के लिए तैयार हूं।"

हाल ही में जीएसटी दरों में युक्तिसंगत बनाए जाने को "सभी के लिए लाभदायक" बताते हुए नायडू ने कहा कि इससे उपभोक्ताओं की "काफी बचत" हो रही है और एमएसएमई क्षेत्र तथा अन्य व्यापारी भी खुश हैं। उन्होंने कहा, "यह सभी के लिए फायदेमंद है। कम कर, अधिक लाभ। राजग सरकार हमेशा एक प्रगतिशील सरकार है। वह आम आदमी के लाभ के लिए कई सुधार ला रही है। आम आदमी को सशक्त बनाना ही सरकार का मुख्य उद्देश्य है।"तेदेपा प्रमुख ने कहा कि किसी भी देश की प्रति व्यक्ति आय में उस देश में बसे भारतीयों का बड़ा योगदान होता है।

निवेशकों को आकर्षित करने के लिए दुबई पहुंचे नायडू ने कहा कि उन्होंने कई नेताओं और व्यापारियों से मुलाकात की और उन्हें अगले महीने विशाखापट्टनम में होने वाले सीआईआई पार्टनरशिप समिट में भाग लेने का निमंत्रण दिया।

अब इलाहाबाद विवि में भी होगी चार वषह्नय बीए–बीएड की पढ़ाई, एनसीटीई से मिली मान्यता

प्रयागराज। अब इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) में भी इंटीग्रेटेड टीचर्स एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) के तहत चार वर्षीय बीए–बीएड की पढ़ाई होगी। शिक्षाशास्त्र विभाग के अंतर्गत 50 सीटों के लिए नेशनल काउंसिल ऑफ टीचर्स एजुकेशन (एनसीटीई) से मान्यता मिली है। अब इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) में भी इंटीग्रेटेड टीचर्स एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) के तहत चार वर्षीय बीए–बीएड की पढ़ाई होगी। शिक्षाशास्त्र विभाग के अंतर्गत 50 सीटों के लिए नेशनल काउंसिल ऑफ टीचर्स एजुकेशन (एनसीटीई) से मान्यता मिली है। अगले सत्र से बीए–बीएड कोर्स में प्रवेश की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय से संबद्ध केपी ट्रेनिंग कॉलेज में बीएड की पढ़ाई होती है। इविवि के अलावा सीएमपी डिग्री कॉलेज और एसएस खन्ना महिला विद्यालय में भी चार वर्षीय इंटीग्रेटेड टीचर्स एजुकेशन प्रोग्राम के तहत बीए–बीएड की पढ़ाई होगी। इसके तहत स्नातक के साथ बीएड की डिग्री मिलेगी। आगामी सत्र से 50 सीटों पर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के माध्यम से प्रवेश लिए जाएंगे। सीएमपी डिग्री कॉलेज ने चार वर्षीय बीए–बीएड की पढ़ाई के लिए एनसीटीई को प्रस्ताव भेजा है। इसकी पढ़ाई शिक्षा शास्त्र विभाग के अंतर्गत होगी। कॉलेज प्रशासन के प्रस्ताव पर एनसीटीई ने कुछ बिंदुओं पर जवाब मांगा है। कॉलेज प्रशासन की ओर से जवाब भेजा जा रहा है। इसके बाद इस कोर्स के लिए एनसीटीई की अनुमति मिलने की उम्मीद है। प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने बताया कि एनसीटीई की अनुमति मिलने के बाद आगामी सत्र से ही पढ़ाई शुरू करने की योजना है।

प्रवक्ता भर्ती में भी बीएड हो गया है अनिवार्य

माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापक बनने के लिए बीएड अनिवार्य है। अब तो राजकीय इंटर कॉलेज में प्रवक्ता पद के लिए भी बीएड अनिवार्य कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने राजकीय इंटर कॉलेजों में प्रवक्ता भर्ती के लिए आवेदन मांगे थे, जिसमें परास्नातक के साथ बीएड भी अनिवार्य योग्यता है। ऐसे में बीएड की मांग लगातार बनी हुई है।

यूपी बोर्ड परीक्षा में एआई निगरानी पर फिर अटका पेच, टेंडर में हिस्सा नहीं ले रहीं कंपनियां

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की 2026 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित निगरानी व्यवस्था लागू होने की संभावना एक बार फिर धुंधली पड़ती दिख रही है। यूपी बोर्ड की 2026 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित निगरानी व्यवस्था लागू होने की संभावना एक बार फिर धुंधली पड़ती दिख रही है। नकल विहीन परीक्षा कराने के उद्देश्य से तैयार की गई इस हाईटेक योजना के लिए जारी टेंडर में सिर्फ दो कंपनियों ने आवेदन किया है, जबकि नियमानुसार कम से कम तीन कंपनियों की भागीदारी अनिवार्य होती है। इस स्थिति में माध्यमिक शिक्षा परिषद ने शासन को पत्र लिखकर आगे की दिशा तय करने के लिए गाइड लाइन मांगी है। यूपी बोर्ड हर साल लाखों विद्यार्थियों की परीक्षाएं आयोजित करता है। हर बार नकल रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाते हैं, फिर भी कुछ केंद्रों से गड़बड़ी की खबरें सामने आती रहती हैं। इस बार एआई तकनीक के जरिए परीक्षा प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी, सुरक्षित और रियल–टाइम निगरानी योग्य बनाने की योजना थी। इस तकनीक से परीक्षा हॉल में छात्रों की गतिविधियों पर नजर रखी जाती और किसी भी संदिग्ध हरकत पर तुरंत अलर्ट जारी हो जाता। साथ ही यह सिस्टम स्टॉग रूम की सुरक्षा में भी मदद करता, जहां प्रश्नपत्र रखे जाते हैं। माध्यमिक शिक्षा परिषद के अपर सचिव (प्रशासन) सत्येंद्र सिंह के अनुसार, एआई आधारित निगरानी व्यवस्थाओं के लिए दो कंपनियों ने टेंडर डाला है, जबकि नियम यह है कि तीन से कम के टेंडर आने पर स्वतः निरस्त माने जाएंगे। ऐसे में शासन को पत्र लिखकर गाइड लाइन मांगी जा रही है। शासन के निर्देश के बाद आगे निर्णय लिया जाएगा।

होटल में अचेत मिला अकाउंटेट, मौत

प्रयागराज। सिविल लाइंस स्थित होटल में ग्वालियर के रहने वाले अकाउंटेंट दिनेश कुशवाहा (43) अचेत अवस्था में मिले। पुलिस की मदद से होटल कर्मियों ने उन्हें एसआरएन अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। सिविल लाइंस थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा होगा। मूलरूप से मध्य प्रदेश के ग्वालियर निवासी दिनेश कुशवाहा सिविल लाइंस थाना क्षेत्र स्थित एक होटल में अकाउंटेंट थे। होटल के स्टोर एग्जीक्यूटिव नेकपाल ने पुलिस को बताया कि होटल में दिए गए कमरे में बुधवार रात करीब 11 बजे वह और उनके होटल कर्मचारी मुकेश दास व दिनेश कुशवाहा सो गए। अगली सुबह करीब 8रू57 बजे दिनेश को जगाने का प्रयास किया लेकिन वह अचेत अवस्था में थे। मामले की जानकारी होटल के जीएम समेत पुलिस और एंबुलेंस को दी गई। अचेत अवस्था में दिनेश को अस्पताल ले जाया गया। नेकपाल ने बताया कि हार्ट अटैक के चलते मौत हुई है। वहीं, सिविल लाइंस थाना प्रभारी रामाश्रय यादव ने बताया कि मामला संज्ञान में है। शुक्रवार को पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है, रिपोर्ट आने पर मौत के कारणों की पुष्टि होगी।

पांच हजार की जगह 500 रुपये किया जाए शहरी आवास योजना का पंजीकरण शुल्क

प्रयागराज। प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने शुक्रवार को अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद सर्किट हाउस में विकास कार्यों व कानून व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने मादक पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई का निर्देश दिया। साथ ही प्रयागराज विकास प्राधिकरण के सचिव को सुझाव दिया कि शहरी आवास योजना में जिन लोगों को ढाई लाख रुपये के आवास आवंटित किए जा रहे हैं उनका पंजीकरण शुल्क पांच हजार की जगह 500 रुपये किया जाए। इस पर प्रस्ताव तैयार कर शासन को उपलब्ध कराने के लिए भी कहा।

बैठक में मंडलायुक्त के उपस्थित न रहने पर मंत्री नंदी ने कहा कि भविष्य में होने वाली समीक्षा बैठक में वह शामिल हों। इस दौरान ड्रग इंस्पेक्टर के अनुपस्थित रहने पर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश डीएम को दिया। उन्होंने कहा कि अगली बैठक में ग्रामीण क्षेत्र के वरिष्ठ अफसर भी मौजूद रहें। जिला खनन अधिकारी से पिछले माह की गई कार्रवाई की जानकारी मांगी। अधिकारी ने बताया कि 200 वाहनों को ब्लैक लिस्ट भी किया है। मंत्री नंदी ने इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट मांगी तो खनन अधिकारी ने डेढ़ घंटे में ही 203 पेज की रिपोर्ट सौंपी। इसमें 83 मामले प्रयागराज के रहे। नामांतरण की समीक्षा करने पर पाया गया कि जिले में 301 मामले पांच वर्ष से अधिक समय से लंबित हैं।

मिट्टी-दलदल के बीच सूर्य देव की उपासना करेंगे श्रद्धालु

प्रयागराज। लोक आस्था का महापर्व छठ 25 अक्तूबर को नहाए खाए के साथ शुरू होगा। पर्व के तीसरे दिन 27 अक्तूबर को डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए गंगा–यमुना के तटों पर आस्था का महाकुम्भ दिखेगा। चाहे संगम नोज हो या बलुआ घाट, हजारों की संख्या में 36 घंटे का निर्जला व्रत रखने वाली महिलाएं अपने परिवार के साथ दोपहर बाद से पहुंचने लगेंगी लेकिन बुधवार को इन दोनों प्रमुख घाटों पर चारों ओर फैली अव्यवस्था देखकर लगा नहीं कि चार दिन बाद यहां होने वाले आयोजन को लेकर जिम्मेदार गंभीर हैं। संगम नोज पर जहां पुण्य की डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं को अपनी गठरी–झोला लेकर दलदल से होकर गुजरना पड़ रहा था।

वहीं बलुआ घाट पर कार्तिक स्नान चलने के बावजूद हर तरफ मिट्टी का टीला ही नजर आ रहा है। संगम नोज के एक किमी के दायरे में चेंजिंग रूम नहीं दिखाई दिया। एक–दो चेंजिंग रूम थे लेकिन जीर्णशीर्ण हालत में। टॉयलेट की सुविधा कहीं नहीं थी। दूरदराज के क्षेत्रों से स्नान को आने वाले श्रद्धालु या तो अपने चार पहिया वाहन में कपड़े बदलने के लिए मजबूर हो रहे थे या महिलाओं के घेरे में वस्त्रों को बदलना पड़ रहा था। एक भी टॉयलेट ना होने की वजह से श्रद्धालुओं को खुले में ही शौच आदि के लिए जा रहे थे। बिजली की मुकम्मल व्यवस्था अभी नहीं की गई है, बिजली विभाग की ओर से पोल व लाइन बिछाने का कार्य इतनी धीमी गति से किया जा रहा है कि पर्व से पहले उसके पूरा होने की संभावना नहीं दिखाई दे रही है। साफ–सफाई ना होने की वजह से संगम नोज पर भगवान गणेश–लक्ष्मी की मूर्तियां और फूलों के साथ पूजन सामग्रियों का अंबार लगा हुआ है। संगम नोज के बड़े दायरे में सूख चुके दलदल को समतल करने के लिए महज एक जेसीबी लगाया गया है जबकि जमीन समतल ना होने की वजह से श्रद्धालुओं का पैदल और चार पहिया से चलना दुश्वार हो गया है। संगम नोज के बाद छठ महापर्व पर सबसे ज्यादा पूजा के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ बलुआघाट की बारादरी पर उमड़ती है। जहां कार्तिक मास के शुरू होते ही एक माह का कार्तिक महोत्सव भी शुरू हो चुका है। अव्यवस्था के बीच बलुआघाट बारादरी से लेकर प्रभुपाद घाट के तीन सौ मीटर के क्षेत्र में रोजाना हजारों की संख्या में श्रद्धालु यमुना स्नान व दीपदान के लिए पहुंच रहे हैं। बाढ़ के पानी में इस कदर मिट्टी बहकर आई है कि अभी तक बारादारी से लेकर प्रभु पाद घाट तक बड़ा बड़ा मिट्टी का टीला बना हुआ है। टीला ऐसा है कि बारादारी के तीन स्थाई चेंजिंग रूम उसी में दबे हुए हैं। जबकि दो चेंजिंग रूम से मिट्टी हटाई जा चुकी है। कार्तिक मास बीते पंद्रह दिन से ज्यादा हो चुका है लेकिन बारादारी के आसपास एक भी मोबाइल टॉयलेट की सुविधा श्रद्धालुओं के लिए नहीं दिखाई दी। बहुत धीमी गति से चल रहा काम काशीराज नगर के पार्षद सतीश केसरवानी ने बताया कि पिछले वर्षों तक बाढ़ का पानी आता है लेकिन मिट्टी की टीला कार्तिक मास शुरू होने से पहले नगर निगम प्रशासन हटवा देता था। इस बार सात अक्तूबर को नगर आयुक्त सीलम सांई तेजा टीम के साथ बारादारी का निरीक्षण करने पहुंचे थे। उन्होंने टीला को हटाने व अन्य व्यवस्था का समाधान करने का आश्वासन दिया था लेकिन अभी तक कार्य बहुत धीमी गति से चल रहा है। मिट्टी–कीचड़ के बीच करनी होगी पूजा बलुआघाट पर अव्यवस्था के शिकार राजेश कुमार, अनिल श्रीवास्तव व आलोक सिंह ने बताया कि जिस तरह से एक रोबोट और एक जेसीबी से मिट्टी के टीले को समतल करने का कार्य चल रहा है। उससे लगता है कि छठ पर्व पर भी हम लोगों को मिट्टी–कीचड़ के बीच घाट पर डूबते हुए व उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने के लिए आना पड़ेगा। क्योंकि मिट्टी का टीला बहुत ऊंचा है और वह समय से पूरा नहीं हो पाएगा। भोर से ही

घाट पर हजारों श्रद्धालु स्नान के लिए आ रहे हैं। लाइट की पर्याप्त व्यवस्था ना होने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। श्रद्धालु बचते बचाते स्नान करने को मजबूर हो रहे हैं। महापर्व की महत्वपूर्ण तिथियां 25 अक्तूबर रू नहाए खाए 26 अक्तूबर रू खरना 27 अक्तूबर रू डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य 28 अक्तूबर : उगते हुए सूर्य को अर्घ्य –हमारी भी सुनें–– हर साल छठ पूजा संगम पर करने आती हूं। इस बार हालात बहुत खराब हैं। बाढ़ के बाद दलदल में पैर रखते ही फिसल जाते हैं। चेंजिंग रूम की कोई व्यवस्था नहीं होने से खुले में कपड़े बदलने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।–छाया देवी छठ पूजा का मतलब स्वच्छता और पवित्रता से है। यहां घाटों की हालत देखकर मन दुखी हो रहा है। बलुआघाट बारादारी पर मिट्टी, प्लास्टिक और कचरे का ढेर लगा है। साफ–सफाई ठीक से नहीं की जा रही है, ऐसे में कैसे पूजा होगी।–पूजा गुप्ता संगम तट पर सूर्यदेव को अर्घ्य देने के लिए परिवार के साथ आती हूं। घाट पर गंदगी, दलदल और बदबू है। सफाई तो दूर बात है कहीं–कहीं इतनी मिट्टी है कि पैर धंस जा रहा है। महिलाओं को कपड़े बदलने की कोई सुविधा नहीं दी गई।–रेखा पांडेय बलुआघाट पर बाढ़ के बाद चेंजिंग रूम मिट्टी के नीचे दब गया है। कपड़े बदलने की कोई व्यवस्था नहीं है। प्रशासन ने बस थोड़ा ऊपर से साफ कराया है, नीचे दलदल जस का तस बना हुआ है। ऐसे में पूजा करने में बहुत परेशानी होगी।–बिटोला मैं सुबह से घाट पर ही हूं, चारों ओर कीचड़ और दलदल ही है। कपड़े बदलने के लिए चेंजिंग रूम नहीं हैं, न ही पेयजल की व्यवस्था। बच्चे और बुजुर्ग दलदल में गिर रहे हैं। प्रशासन ने बस औपचारिक निरीक्षण किया।–प्रीति गुप्ता बलुआघाट पर पूजा की सामग्री लेकर नीचे उतरना मुश्किल है। छठ पर्व आस्था का प्रतीक है, लेकिन प्रशासनिक तैयारी देखकर मन दुखी हो रहा है। प्रशासन को छठ से पहले काम पूरा करा देना चाहिए नहीं तो पर्व पर बड़ी दिक्कत होगी।–रमा मिट्टी, कीचड़ और गंदगी से भरे घाटों पर खड़ा होना भी मुश्किल है। महिलाओं की निजता का बिल्कुल ध्यान नहीं रखा गया। सफाईकर्मी कभी–कभी दिखते हैं लेकिन साफ–सफाई का काम अधूरा छोड़ देते हैं।–डॉ. सपना मौर्या संगम पर सफाई की स्थिति बहुत खराब है। कोई चेंजिंग रूम नहीं है। महिला पुलिस नहीं दिखी। ऐसे में महिलाओं को असुरक्षा महसूस होती है। यह त्योहार महिला व्रतधारियों का है, लेकिन सुविधाएं शून्य हैं। जिम्मेदारों को ध्यान देना चाहिए।–कंचन छठ पर्व जैसे बड़े आयोजन से पहले अधिकारियों को खुद मौके पर जाकर देखना चाहिए। महिलाएं बहुत मुश्किल में हैं। संगम पर न चेंजिंग रूम हैं और न ही बैठने की जगह। हम चाहते हैं कि तुरंत सफाई अभियान चले और सुरक्षा बढ़ाई जाए।–मंगला बलुआघाट पर गंदगी और दुर्गंध है। कहीं–कहीं सड़ी मिट्टी पड़ी है। शाम को रोशनी नहीं रहती। श्रद्धालुओं की सुरक्षा खतरे में है। पर्व से पहले प्रशासन को युद्ध स्तर पर साफ–सफाई की व्यवस्था करनी चाहिए।–काजल संगम पर कीचड़ और फूल की परत जमी हुई थी। चेंजिंग रूम की सुविधा बिल्कुल नहीं। महिलाएं गाड़ी के पीछे कपड़े बदलती दिखीं। यह स्थिति अत्यंत शर्मनाक है। सफाईकर्मी आधा काम करके चले जाते हैं।–रविंद्र पांडेय दलदल ने पूरे घाट का स्वरूप बिगड़ गया है। प्रशासन की लापरवाही साफ दिखती है। अगर सफाई नहीं हुई तो यह श्रद्धालुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ है। चेंजिंग रूम और शौचालय की तत्काल व्यवस्था होनी चाहिए।–प्रमोद पांडेय प्रशासन की कार्यशैली अभी तक खानापूर्ति जैसी हो रही है। बलुआघाट पर महिलाओं के बैठने की जगह तक नहीं है। इस बार की तैयारी अब तक की सबसे कमजोर दिख रही है। अब युद्धस्तर पर कार्य करने की जरूरत है।–विपिन लोक आस्था का पर्व भगवान सूर्यदेव को समर्पित है। अव्यवस्था देखकर मन बहुत दुखी है। दलदल, बदबू और बिजली की कमी सबसे बड़ी समस्या है। महिलाएं खुले में कपड़े बदलने को मजबूर हैं। नाम मात्र के चेंजिंग रूम बनाए गए हैं।–सुरेंद्र कुमार संगम तट पर स्नान के लिए सुबह ही आया गया था। बाढ़ का पानी कम होने के बाद भी दलदल की स्थिति बनी हुई है। अब भी वहीं जमी है। श्रद्धालु दलदल में गिर रहें हैं। निगरानी किए बिना इंतजाम पूरा नहीं हो सकता।–कृष्णा मौर्या ––पार्षद बोले–– हमने कई बार नगर निगम में घाट की सफाई को लेकर शिकायत की कि घाट पर मिट्टी और कीचड़ हटाया जाए, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। बच्चे और बुजुर्ग दलदल में फंस जाते हैं। घाटों पर सफाई, सुरक्षा और व्यवस्था का अभाव है। यह प्रशासन की नाकामी है। आस्था के इस पर्व पर श्रद्धालुओं को सुविधाएं मिलनी चाहिए।– सतीश केशरवानी, पार्षद बोले जिम्मेदार छठ पर्व को देखते हुए घाटों पर सफाई अभियान लगातार चलाया जा रहा है। पर्व की तैयारियों के लिए गुरुवार को सभी विभागों के अधिकारियों को साथ लेकर निरीक्षण किया जाएगा।

संगम सहित सभी प्रमुख घाटों पर जहां–जहां समस्याएं

गजब : नाती की पुकार पर 22 दिन बाद कोमा से लौटी नानी, सड़क हादसे में हुई थी घायल

प्रयागराज। पांच वर्षीय नाती की पुकार पर 22 दिन से कोमा में पड़ी नानी को होश आ गया। मामला छावनी सामान्य अस्पताल का है, जहां पर मरीज को कोमा से बाहर निकालने के लिए चिकित्सकों के तमाम प्रयास सफल नहीं हुए तो नाती व नानी के प्यार को थेरेपी के रूप में इस्तेमाल किया।

पांच वर्षीय नाती की पुकार पर 22 दिन से कोमा में पड़ी नानी को होश आ गया। मामला छावनी सामान्य अस्पताल का है, जहां पर मरीज को कोमा से बाहर निकालने के लिए चिकित्सकों के तमाम प्रयास सफल नहीं हुए तो नाती व नानी के प्यार को थेरेपी के रूप में इस्तेमाल किया। प्रतापगढ़ के कोरट डी निवासी इंद्रजीत की पत्नी चमेला देवी–52 और उनका पांच वर्षीय नाती सार्थक 24 सितंबर को एक मार्ग पर भीषण सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे।

इस दौरान नाती को बचाने में चमेला देवी के सिर पर गंभीर चोट आई थी। इसके बाद परिजन उन्हें प्रतापगढ़ के जिला चिकित्सालय ले गए, जहां पर चिकित्सकों ने जवाब दे दिया। आनन–फानन में उन्हें छावनी सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस दौरान परिजन भी निराश हो गए थे। कहते हैं कि जाको राखे साईयां मार सके न कोए... कुछ ऐसा ही चमत्कार यहां भी हुआ। बिना किसी सर्जरी के चिकित्सकों ने

मरीज के सिर पर 25 टांके लगाए और उसे आयुष्मान वार्ड में भर्ती कर दिया गया।

इस दौरान महिला कोमा में चली गई। यहां न्यूरो मेडिसिन सिद्धार्थ सिंह, लखनऊ के न्यूरो मेडिसिन विभाग के डॉ. देबूजीत व मेडिसिन विभाग की डॉ. वैशाली सिंह ने मरीज का उपचार शुरू किया। करीब 18 दिन बाद चिकित्सकों ने नाती को अस्पताल बुलाया और नानी के पास बैठकर उन्हें पुकारने के लिए कहा। नाती रोज अस्पताल पहुंचता और नानी–नानी पुकारने लगता। पांचवें दिन नाती के पुकारते ही नानी चमेला को होश आ गया, उसकी आंखें खुल गईं। होश में आने के बाद जब चिकित्सकों ने मरीज की जांच की तो पता चला कि उनके बाएं आंख की रोशनी चली गई है। उसके मुंह से आवाज भी नहीं निकल रही थी। चिकित्सकों का कहना है कि 15 से 20 दिनों में मरीज की आवाज वापस आने लगेगी। होश में आने के बाद शुक्रवार को मरीज को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

नाती को है टाइप टू डायबिटीज की शिकायत

पांच वर्षीय नाती सार्थक को टाइप टू डायबिटीज की शिकायत है। 24 सितंबर को चमेला देवी अपने नाती को दवा दिलाने पैदल घर के पास स्थित मेडिकल स्टोर जा रही थी। तभी सामने से आ रही एक अनियंत्रित कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी थी।

बोले डॉक्टर

महिला को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। सिर पर काफी चोट आई थी। ऐसे में हमें लखनऊ के वरिष्ठ न्यूरो मेडिसिन चिकित्सक की मदद लेनी पड़ी। दवा के साथ ही थेरेपी का प्रयोग किया गया, जो कि सफल रहा। महिला के बाएं आंख की रोशनी गई है। बाकी 15 से 20 दिनों में उसके स्वस्थ्य होने की उम्मीद है। मरीज को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है।–डॉ. वैशाली सिंह, प्रमुख अधीक्षक, छावनी सामान्य अस्पताल।

रावेंद्र हत्याकांड के आरोपियों को पनाह देने वाले छह गिरफ्तार, पुलिस की सात टीमें गठित

प्रयागराज। रोडवेज चालक रावेंद्र कुमार उर्फ मुन्नू की हत्या के मामले में शुक्रवार को पुलिस ने छह पनाहगारों को गिरफ्तार किया है। वारदात को अंजाम देने के बाद इन्होंने आरोपियों को छिपने का ठिकाना दिया था। धूमनगंज पुलिस ने केस दर्ज कर सभी को जेल भेज दिया है। रोडवेज चालक रावेंद्र कुमार उर्फ मुन्नू की हत्या के मामले में शुक्रवार को पुलिस ने छह पनाहगारों को गिरफ्तार किया है। वारदात को अंजाम देने के बाद इन्होंने आरोपियों को छिपने का ठिकाना दिया था। धूमनगंज पुलिस ने केस दर्ज कर सभी को जेल भेज दिया है। नीमसराय निवासी रोडवेज चालक रावेंद्र कुमार मंगलवार दोपहर मुंडेरा चुंगी पेट्रोल पंप पर बस में तेल भरवाने गए थे। वहां पहले से मौजूद हसैनन, उसके भाई नुरैन, अली, कामरान, इरफान, हुसैन, कैफ समेत अन्य से उनका विवाद हो गया। इसके बाद सिर पर पत्थर मारकर रावेंद्र की हत्या कर दी गई। मामले में लापरवाही के आरोप में अधिकारियों ने पहले ही चौकी प्रभारी और धूमनगंज थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही फरार आरोपियों पर 25–25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की सात टीमें लगाई गई हैं। बृहस्पतिवार को पुलिस को पता चला कि कई करीबियों व रिश्तेदारों ने वारदात के बाद हत्यारोपियों को पनाह दी थी। पुलिस ने नवाबगंज निवासी मेराज अहमद, नीमसराय मुंडेरा मंडी निवासी शमशाद अहमद, उसके बेटे सुभान अहमद, एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के नसीमपुर सिलना निवासी शमीम अहमद और मरियाडीह निवासी हारिश व असजद को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में पता चला कि पकड़े गए आरोपियों से सभी हत्यारोपियों ने वारदात से पहले और बाद में मोबाइल पर बात की थी।

बिहार में एनडीए की सरकार बनी तो नीतीश कुमार ही होंगे मुख्यमंत्री, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र का दावा

प्रयागराज। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि बहुमत मिलने पर एक बार फिर नीतीश कुमार मुख्यमंत्री होंगे। बिहार में एनडीए गठबंधन नीतीथ कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का मनोनयन होने के बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए को बहुमत मिला तो नीतिश कुमार एक बार फिर मुख्यमंत्री बनेंगे। उन्होंने दावा किया कि एक बार फिर से बिहार में एनडीए की सरकार बनने जा रही है। चौधरी शनिवार को सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि बिहार में नीतीश कुमारी हमारे मुख्यमंत्री के चेहरे हैं । बिहार में एनडीए अपने कामकाज के बल पर चुनाव लड़ रहा है। हमारे गठबंधन का नेतृत्व भी नीतीश कुमार ही कर रहे हैं। कहा कि बिहार की जनता को तय करना है कि 1990 से 2005 का दौर चाहिए या 2005 के बाद विकास मुखी बदलाव। संगठन से संबंधित सवाल पर उन्होंने कहा की बिहार चुनाव के बाद पहले प्रदेश अध्यक्ष और उसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होना है। उन्होंने कहा कि चुनावी प्रक्रिया होने के बाद ही नगर निगम में नामित पार्षदों के नाम की घोषणा की जाएगी। सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती को लेकर उन्होंने कहा कि भाजपा में सभी महापुरुषों का सम्मान है। इसी वजह से सरदार पटेल की जयंती के मौके पर इस बार तमाम कार्यक्रम पार्टी की ओर से करवाए जा रहे हैं। उसको लेकर भी आज रणनीति तय की जाएगी। कहा कि सरदार पटेल इतिहास नहीं बल्कि राष्ट्र की चेतना का केंद्र हैं। भाजपा ने इस चेतना को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। प्रत्येक विधानसभा में पदयात्रा निकाली जाएगी। युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ेंगे। सरदार पटेल के जीवन में ईमानदारी, दृढ़ता और देश के प्रति जो समर्पण है इस पर चर्चा की जाएगी। इस मौके पर काशी प्रांत भाजपा अध्यक्ष दिलीप पटेल, महेश श्रीवास्तव, सांसद प्रवीण पटेल, विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी, गुरु प्रसाद मौर्य, महापौर गणेश केसरवानी, गंगापार अध्यक्ष निर्मला पासवान, यमुनापार अध्यक्ष राजेश शुक्ला, महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता आदि मौजूद रहे।

नाली के ऊपर रखा ट्रांसफॉर्मर और सड़क पर फैला तार, राहगीरों की जोखिम में जान

प्रयागराज। स्टेनली रोड के नयापुरा के पास पिछले कई वर्षों से नाली के ऊपर ट्रांसफॉर्मर रखा गया है। जो हादसे को दावत दे रहा है। पानी में करंट पर यहां किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। इतना ही नहीं सड़क पर ट्रांसफॉर्मर का तार फैला है। लोग जान जोखिम में डालकर रास्ते से गुजरने को मजबूर हैं। ये हाल सिर्फ नयापुरा का नहीं है बल्कि शहर के करीब 10 फीसदी मोहल्लों में ट्रांसफॉर्मर को असुरक्षित ढंग से रखा गया है। इसके अलावा बिजली के खंभे पर तारों का मकड़जाल हादसे को दावत दे रहा है। राजापुर, जानसेनगंज, चौक, बहादुरगंज, जीरो रोड, करैली, करेलाबाग समेत कई स्थानों पर तारों का मकड़जाल फैला हुआ है। ऐसे में आए दिन शॉट सर्किट के मामले देखने को मिलते हैं।

संक्षिप्त समाचार

एसडीएम के घर लाखों की चोरी, दीवार फांदकर घुसा चोर

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ के मड़ियांव क्षेत्र में बीती रात चोरों ने एसडीएम के घर लाखों की चोरी कर ली। चोरों ने नकदी और गहने चोरी किए। इस मामले में एसडीएम ने मड़ियांव थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है। फतेहपुर एसडीएम सदर अनामिका श्रीवास्तव का घर लखनऊ के मड़ियांव स्थित साई सिटी कॉलोनी में है। एफआईआर के मुताबिक घटना बीती रात 23 व 24 अक्टूबर की रात करीब 2.40 से 5 बजे के बीच की है। चोरों ने मकान का ताला तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। सीसीटीवी में घर के अंदर दो चोर जाते हुए कैद हुए है। दोनों चोर अलग अलग रास्ते से अंदर घुसे थे। और अपनी पहचान छुपाने के लिए दोनों चोर ने मुंह पर कपड़ा बांध रखा था। चोरी की सूचना के बाद मौके पर पुलिस टीम पहुंची।

टीम ने डॉग स्क्वॉड के साथ जांच शुरू की। इस दौरान डॉग घर के बगल वाली गली तक गया। फिर दूर जा कर रुक गया। जांच में सामने आया कि जिस घर में चोरी हुई है, वहां पर 24 घंटे राम भजन चलता है। इसके बारे में अंजान लोगों को जानकारी नहीं थी। पुलिस को आशंका है कि कोई करीबी इस चोरी की घटना में शामिल है।

चुनावी मोड में मायावती एक नवम्बर को बुलाई बैठक, बामसेफ को दे सकती हैं बड़ी जिम्मेदारी

लखनऊ, (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने आगामी मिशन 2027 को लेकर संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया है। पार्टी सुप्रीमो ने एक नवम्बर को बामसेफ की विशेष बैठक बुलाई है, जिसमें संगठन की रणनीति और पिछड़े वर्गों की भागीदारी बढ़ाने पर मंथन किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, बैठक में बामसेफ कैडर को दोबारा सक्रिय करने और संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने पर चर्चा होगी। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले भी बसपा ने बामसेफ को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया था, लेकिन अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी थी। अब मायावती की नजर आगामी विधानसभा चुनाव पर है, जिसमें वह बामसेफ को बसपा के जनाधार विस्तार का प्रमुख माध्यम बनाना चाहती हैं। बताया जा रहा है कि मायावती स्वयं इस बैठक में मौजूद रहेंगी और पिछड़े वर्ग को जोड़ने की रणनीति पर अंतिम निर्णय लेंगी। बैठक में यह तय किया जाएगा कि कैसे बामसेफ से जुड़े सरकारी कर्मचारी और शिक्षित वर्ग समाज में बसपा की विचारधारा को मजबूती से आगे बढ़ाएं। इस बीच, संगठनात्मक फेरबदल भी जारी है।

उत्तर प्रदेश के शहरों में टैक्स का डबल डोज!

हाउस टैक्स के साथ देने होंगे 2 नए कर

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के शहरों में राज्य सरकार ने जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन और अमृत यानि अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बनट्रांसफॉर्मेशन योजनाओं के तहत सीवर लाइन और जलापूर्ति के लिए पाइपलाइन बिछाने का काम पूरा कर दिया है। जिसके बाद अब शहरी इलाकों में रहने वाले लोगों को अब हाउस टैक्स के साथ–साथ दो नए कर चुकाने पड़ेंगे,जिसमें की वाटर टैक्स और सीवर टैक्स शामिल होगा। सरकार ने ये फैसला नगर निगमों की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने और उनकी बुनियादी सुविधाओं के रखरखाव के लिए लिया है।

भगवान सहस्त्रार्जुन की जयंती पर होंगे विविध कार्यक्रम

नैनी, प्रयागराज। भगवान सहस्त्रार्जुन की जयंती के उपलक्ष में एक आकर्षक शोभायात्रा निकाली जाएगी तथा उनकी जयंती के अवसर पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम प्रमुख जीतलाल जायसवाल व आनंद जायसवाल ने बताया कि इस बार यह कार्यक्रम करमा में न होकर महुआरी के जायसवाल नगर स्थित सहस्त्रार्जुन मंदिर में होगा। आगामी 27 अक्टूबर को नैनी डाकघर से विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी जो मंदिर पर समाप्त होगी। इस बारे में करमा, गौहनिया, जसरा सहित अन्य बाजारों में जनसंपर्क किया जा रहा है। जायसवाल समाज के नरेंद्र जायसवाल, हेमशेखर जायसवाल, विशाल जायसवाल, दीपक जायसवाल आदि ने क्षेत्र में घूमकर लोगों से निवेदन किया है कि शोभायात्रा व सहस्त्रार्जुन मंदिर पर अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनायें।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: 6520252026 | दिनांक: 23.10.2025

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक / इंजीनियरिंग / उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 17.11.2025 को 13:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार हैः-

निविदा नं.	अनुमानित मूल्य (रु.)	बयाने की रकम (रु.)
178	5,07,55,290.16	4,03,800.00

कार्यों का विवरणः वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता/ प्रथम/ प्रयागराज के अधीन गैपुरा और पहाड़ा स्टेशन की न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं में कमी की भरपाई के लिए प्लेटफार्म नम्बर 3/4 की ऊंचाई को उच्च स्तर तक विस्तार करने का कार्य।

कार्य समापन की अवधिः 12 माह | निविदा खुलने की तिथिः 17.11.2025

सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधारः सिविल इंजीनियरिंग का कोई कार्य

नोटः 1. ऑनलाइन निविदा खुलने की तिथि को 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 2. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि तक उपलब्ध है। 1974/25 (ADM)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

त्योहार विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए त्योहार विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत हैः-

गाड़ी संख्याः 04145/04146 सूबेदारगंज- नई दिल्ली विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी सं. 04145 सूबेदारगंज- नई दिल्ली: आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04146 नई दिल्ली - सूबेदारगंज: आगमन	प्रस्थान
----	23:20	सूबेदारगंज	04:30	----
00:48	00:50	फतेहपुर	01:00	01:02
02:05	02:10	गोविन्दपुरी	23:45	23:50
04:30	04:32	इटावा	21:40	21:42
06:20	06:25	टूण्डला	19:40	19:45
07:38	07:40	अलीगढ़	17:28	17:30
11:40	----	नई दिल्ली	----	14:00

सूबेदारगंज सेः गाड़ी सं.04145, प्रत्येक रविवार, दिनांक- 26.10.2025,
नई दिल्ली सेः गाड़ी सं. 04146, प्रत्येक सोमवार, दिनांक- 27.10.2025,
संरचनाः वातानुकूलित तृतीय श्रेणीः 04, स्लीपर श्रेणीः 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणीः 02, सामान्य श्रेणीः 04, वातानुकूलित प्रथम श्रेणीः 01, वातानुकूलित इकोनॉमिक श्रेणीः 03

नोट– ट्रेन की समय–सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं. 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1984/25(DG)

पत्रकार सुरक्षा बिल लागू करे प्रदेश सरकारः एनयूजे इंडिया प्रयागराज

एनयूजेआई इंडिया प्रयागराज ने पत्रकार एल.एन सिंह की हत्या पर व्यक्त किया आक्रोश दिवगंत पत्रकार को दी श्रदाजँली

प्रयागराज। गुरुवार की रात हुई पत्रकार एलएन सिंह की हत्या पर नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट इंडिया के प्रयागराज जिला इकाई ने आक्रोश व्यक्त करते हुए दिवगंत पत्रकार एल एन सिंह को दी श्रदाजँली तथा दिवगंत पत्रकार के परिजन के प्रति संवेदना व्यक्त की और पीड़ित परिवार वालों के लिए सुरक्षा आर्थिक मदद करने और पत्रकार की पत्नी को नौकरी देने तथा बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने की मांग किया है। इस दुख की घडी मे दिवगंत पत्रकार के परिजन के साथ खडा है नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट इंडिया। पत्रकार एल. एन सिंह की नृशंस हत्या पर नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट इंडिया के प्रयागराज जिला इकाई के संरक्षक पवन दिवेदी संरक्षक परवेज आलम के उपस्थित अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव के अध्यक्षता में हुई एक शोक सभा में सभी सदस्यों ने यह निर्णय लिया है कि पत्रकार साथी की हुई हत्या का हम सब कड़े शब्दों में निन्दा करते है। और सरकार से मांग करते है कि मृतक पत्रकार के परिवार को जल्द से जल्द विशेष सुविधा उपलब्ध कराई जाये। तथा प्रदेश पत्रकार सुरक्षा बिल लागू किया जाए।

गौरतलब हो कि गुरुवार की रात सरेआम अपराधियों द्वारा सिविल लाइंस स्थित होटल हर्ष के पास पत्रकार लक्ष्मी नारायण सिंह उर्फ पप्पू (एल एन सिंह) की 20 से 25 वार करके चाकुओं से हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड से पूरे प्रयागराज के पत्रकार में खासा आक्रोश है।

पत्रकार एलएन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करने वालों में प्रमुख रूप से एनयूजेआई इंडिया के प्रयागराज जिला इकाई के संरक्षक पवन द्विवेदी, संरक्षक परवेज आलम अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव, महांमंत्री अखिलेश शुक्ला, संगठन मंत्री चित्रांशी यादव वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश श्रीवास्तव उपाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार श्रीवास्तव, डॉ सुधाकर पान्डेय बीरेद्रं श्रीवास्तव वी के यादव जिया सिदिकी बृजेश कुमार मनीष दिवेदी प्रवक्ता शनी केसरी मिडीया प्रभारी असद कुरैशी कोषाध्यक्ष मंत्री मधुर दरबारी राम बाबू इरफान खान शिव पान्डेय रंजीत निषाद सौरभ कुमार आदशॅ अनूप रावत मो0 नसीम प्रभारी जमुना पार देवाशीष श्रीवास्तव सह प्रभारी जमुना पार कार्यकारिणी सदस्य शितला प्रसाद तिवारी अनिल त्रिपाठी राजीव कुमार सिंह नफीस अहमद इशरत अली गिरीश पान्डेय गौरव त्रिपाठी मनोज कुमार मो शकील खान पवन देव सैय्यद सुहैल खान जितेद्रं कुमार सिंह शिव जी मालवीय आनन्द श्रीवास्तव अमित श्रीवास्तव भाल चद्रं पान्डय मूलचंद्र भारती अनिरूद त्रिपाठी राकेश कुमार पाल अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य भारी संख्या मे उपस्थित रहे।

1 नवंबर से यूपी के 9 शहरों में लागू होगी बिजली विभाग की नई व्यवस्था

फेसलेस और नेमलेस प्रणाली के तहत होंगी सभी सेवायें

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में बिजली व्यवस्था में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। 1 नवंबर से लखनऊ सहित नौ प्रमुख शहरों–मेरठ, अलीगढ़, बरेली, कानपुर, मुरादाबाद, सहारनपुर, नोएडा और गाजियाबाद में बिजली विभाग की वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग सिस्टम लागू करने की तैयारी है। नई व्यवस्था के तहत बिलिंग, कनेक्शन, लोड परिवर्तन, सप्लाई और मेंटीनेंस जैसे कार्य अलग–अलग अधिकारियों और कर्मचारियों के अधीन होंगे। अब उपभोक्ता किसी विशेष अधिकारी से सीधे संपर्क नहीं कर पाएंगे। सभी सेवाएँ फेसलेस और नेमलेस प्रणाली के तहत होंगी। शिकायत दर्ज कराने या नया आवेदन करने के लिए हेल्पलाइन नंबर 1912 या शहरों में स्थापित हेल्पडेस्क सेंटरों की मदद लेनी होगी। अभी वन–विंडो व्यवस्था लागू है, जिसमें एक ही अधिकारी के पास सप्लाई और रेवेन्यू दोनों की जिम्मेदारी होती है। इससे कई बार अधिकारी हर काम पर समान ध्यान नहीं दे पाते और शिकायतें बढ़ जाती हैं। अब विभाग का कहना है कि नई प्रणाली से पारदर्शिता बढ़ेगी और भ्रष्टाचार की संभावना घटेगी। अधिकारियों के अनुसार बिजली कार्यों को दो भागों में बांटा गया है, तकनीकी और वाणिज्यिक। तकनीकी विभाग में 33 केवी और 11 केवी,एलटी लाइन के लिए अलग–अलग अधीक्षण अभियंता होंगे। हर सब–स्टेशन के अंतर्गत विशेष टीमें बनाई जाएंगी जो मेंटीनेंस और सप्लाई से जुड़ी समस्याओं पर काम करेंगी।वाणिज्यिक विभाग पूरी तरह केंद्रीकृत रहेगा। टीम नए कनेक्शन, बिल संशोधन, लोड परिवर्तन और बिलिंग से जुड़ी कार्यवाही देखेगी। साथ ही बिजली चोरी रोकने के लिए विशेष विजिलेंस यूनिट इसके अंतर्गत होगी।नई व्यवस्था से अधिकारियों को अपने निर्धारित कार्यों पर बेहतर फोकस और

जिम्मेदारियाँ होंगी। उपभोक्ताओं को किसी अधिकारी के पास चक्कर लगाने की जरूरत नहीं। सभी सेवाएँ ऑनलाइन या हेल्पलाइन के माध्यम से उपलब्ध होंगी।लखनऊ में प्रारंभिक चरण में 21 हेल्पडेस्क स्थापित की जा रही हैं, जहाँ ऑनलाइन शिकायत दर्ज न कर पाने वाले उपभोक्ता मदद ले सकेंगे। हर शिकायत अंततः 1912 नंबर पर दर्ज होगी, जिससे मॉनिटरिंग और समाधान में पारदर्शिता बनी रहेगी।

नहाय–खाय के साथ छठ महापर्व शुरू,राजधानी में सज गए घाट

27 अक्टूबर को सीएम योगी लक्ष्मण मेला घाट पर देंगे अर्घ्

लखनऊ, (संवाददाता)। 4 दिवसीय छठ महापर्व आज यानी 25 अक्टूबर को नहाय–खाय के साथ शुरू हो गया। 26 अक्टूबर को खरना और 27 अक्टूबर को संध्या अर्घ्य होगा। 28 अक्टूबर को उगते भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया जाएगा। लखनऊ छठ की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। गोमती स्थित लक्ष्मण मेला मैदान पूरी तरह व्यवस्थित हो चुका है। अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभुनाथ राय ने सभी तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि 27 अक्टूबर को सीएम योगी आदित्यनाथ संध्या अर्घ्य देंगे। प्रभुनाथ राय ने कहा कि हमारा सौभाग्य है की छठी मैया की सेवा में लगे हुए हैं। यह 41 वां साल है जब हम निरंतर छट का आयोजन कर रहे है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन और भोजपुरी समाज के पदाधिकारी मिलकर व्यवस्था करते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए अपना विशेष आशीर्वाद दिया है। सीएम योगी आदित्यनाथ 27 अक्टूबर को शाम 4 बजे सूर्य भगवान को अर्घ्य अर्पित कर के शुभारंभ करेंगे। प्रभुनाथ राय ने बताया कि 27 और 28 अक्टूबर को भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। जिसमें बड़ी संख्या में कलाकार हिस्सा लेंगे। सुप्रसिद्ध लोक गायिका कल्पना पटवारी (असम), गोपाल राय (बलिया), सुरेश शुक्ला (मुंबई) सहित 200 लोक कलाकार 18 घंटे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। छठ की तैयारियों का मनोज सिंह, वेद प्रकाश राय, मनोज राय, सुनील सिंह ने जायजा लिया।

डालीगंज जैन मन्दिर में चातुर्मास समापन एवं पिच्छी परिवर्तन सम्पन्न

लखनऊ, (संवाददाता)। श्री जैन धर्म प्रवर्धनी सभा की ओर से आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर जी मुनिराज के परम शिष्य अध्यात्म योगी उपाध्याय श्री 108 आदीश सागर जी मुनिराज का चातुर्मास निष्ठापन एवं पिच्छी परिवर्तन का कार्यक्रम, सभा अध्यक्ष विनय कुमार जैन की अध्यक्षता मे शनिवार को डालीगंज जैन मन्दिर मे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम। प्रातः 7 बजे से अभिषेक 7:15 दूध से शांतिधारा (बोली द्वारा) तत्पश्चात 8 बजे से उपाध्याय श्री 108 आदीश सागर जी मुनिराज के सानिध्य मे दीप प्रज्जुलन, चित्र अनावरण, शास्त्र भेट, पाद प्रक्षालन, गुरु पूजा, गुरु का मंगल आशीर्वाद, चातुर्मास निष्ठापन समारोह एवं पिच्छी परिवर्तन का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष विनय जैन ने बताया कि चातुर्मास का कलश जिन लोगों ने प्राप्त किए थे उन्हें गुरुवर के द्वारा कलश प्राप्त किया। सर्वप्रथम मूलनायक पार्श्वनाथ भगवान की दूध से शांतिधारा करने का सौभाग्य अनिल जैन ने प्राप्त किया। तत्पश्चात देव शास्त्र गुरु को श्री फल चढ़ा कर कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। दीप प्रज्जुलन, चित्र अनावरण के बाद मीनू जैन ने मंगलाचरण किया। सभापति विनय जैन ने सभा का संचालन करते हुए कहा की उपाध्याय आदीश सागर जी मुनिराज जैसे सरल साधु उन्होंने अपने जीवन मे नहीं देखे। उन्होंने चातुर्मास के दौरान जाने अनजाने हुई गलतियों के लिए गुरुदेव से क्षमा मांगी। उप प्रबंधक पार्श्व जैन ने बताया की पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य सुशील जैन, मनीष, मुकेश अपूर्व जैन परिवार ने प्राप्त किया, वही गुरुदेव को शास्त्र भेट करने का सौभाग्य अशोक जैन, अंकित जैन जरवल वालो को मिला। इंजीनियर विशाल जैन ने गुरुदेव को नयी पिच्छी भेट करने का सौभाग्य प्राप्त किया, वही पुरानी पिच्छीका भी गुरुदेव के द्वारा उन्ही को भेट स्वरुप प्रदान की गयी। तत्पश्चात गुरुदेव का अष्ट द्रव्यों से पूजन किया गया। मंगल आरती, के बाद गुरुदेव ने अपने प्रवचन मे बताया की इस चातुर्मास मे जिन्हे लाभ मिलना था उन्हें मिला। उन्होंने बताया की प्रथम दीक्षा भगवान ऋषभदेव ने ली थी। और अभी भगवान महावीर का शासन चल रहा है। जो अगले तीर्थकर के आने तक चलता रहेगा। तत्पश्चात गुरुवर के द्वारा सभी को चातुर्मास के मंगल कलश वितरण किये गए। इस अवसर पर सभा अध्यक्ष विनय, महामंत्री सुबोध, कोषाध्यक्ष सुशील, वरिष्ठ मंत्री वीर कुमार साड़ी वाले, मुख्य प्रबंधक वीर कुमार टिकैतनगर, उप प्रबंधक पार्श्व कुमार जैन, संयोजक मनीष, विकास, अभिदीप, राहुल, पवन, राजू,रोहित,रितेश महिला मण्डल से शुभा, कंचन, शीतू, प्रतीक्षा, बिब्बो भाभी, अंजू, मीनू, बाईजी आदि मौजूद रहे।

नर्गिस के फूल

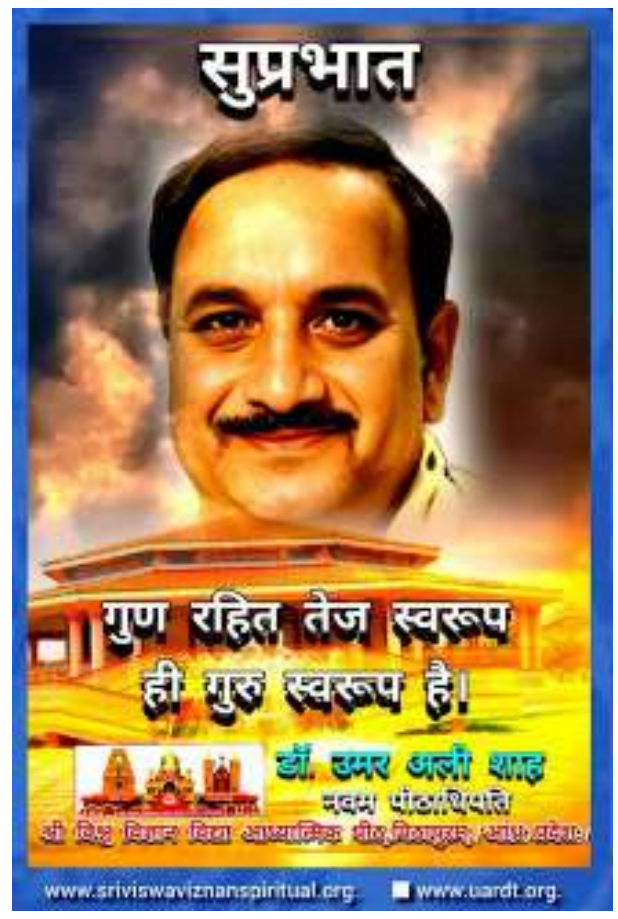

(कुण्डलिया)

नॉरशिसस के वंश का, है प्यारा इक फूल।
'डेफोडिलश जिसको कहें,किस्से हैं मक़बूल।
किस्से हैं मक़बूल, इसे नर्गिस भी कहते।
खुशबू से भरपूर, सभी जगहों पर मिलते।
सुन लो कहें प्रदीप ,फूल दल हैं बहुत सरस।
जिसका मोहक रूप,वंश बतलाता नॉरशिसस।।

ऋतु वसंत में हो जवाँ, मौसम के अनुकूल।
सबके मन को मोहते, खिल नर्गिस के फूल।
खिल नर्गिस के फूल, बिखरे छटा अनोखी।
पंखुड़ियों के रंग,बघारे अपनी शोखी।
सुन लो कहें प्रदीप,लुभावन किस्से अनंत।
मदमाते है फूल,देख मादक ऋतु वसंत।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

थाने में पुलिस पर हमला

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में पुलिस पर भीड़ ने शनिवार को हमला कर दिया। सफाईकर्मी की मौत मामले में हिरासत में लिए आरोपी को छोड़ने पर भीड़ आक्रोशित हो गई। थाने को घेर लिया। पुलिसवालों ने समझाने की कोशिश की तो भीड़ ने धक्का–मुक्की कर दी। भीड़ से महिलाएं आगे आईं और पुलिसवालों पर हमला कर दिया। इसमें दरोगा समेत 7 पुलिसवालों को चोटें आईं। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। पुलिस ने भी भीड़ को दौड़ा–दौड़ाकर लाठियों से पीटा। लाठीचार्ज में भीड़ की कई महिलाओं को चोट आई है। थाना दिवस होने के चलते कई अफसर भी मौके मौजूद थे।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्याः 25/51 | दिनांकः 24.10.2025

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज (आई.एस.ओ. 9001: 2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	20253686	[illegible] ई-70 ब्रेक कंट्रोल यूनिट	71 सेट	18.11.2025
2	40251579	पोर्सिलेन 9- टन इंसुलेटर्स	2985 नग	03.11.2025
3	40251578	पोर्सिलेन ब्रैकेट इंसुलेटर	4349 नग	19.11.2025
4	90252043	स्प्रेटेण्ड स्प्रिंग स्टील राउण्ड रॉड्स टू साईज 38 एमएम डायमीटर X 3680 एमएम लॉन्ग	70.86 एमटी	10.11.2025
5	80251071	सप्लाई ऑफ [illegible]	1026 एमटी	17.11.2025

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव / शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाइट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र / परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 1982/25 (ADM)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 6820252026 | **निविदा सूचना** | दिनांक- 23.10.2025

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये "दो पैकेट प्रणाली" द्वारा निर्धारित प्रपत्र पर ई-निविदा दिनांक 19.11.2025, 13.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार हैः-

निविदा नं.	अनुमानित मूल्य	बयाने की राशि	कार्य समापन की अवधि	निविदा खुलने की तिथि
181	₹ 10,39,92,000.00	₹ 6,70,000.00	12 (बारह) माह	19.11.2025

कार्य का विवरणः सहायक मंडल अभियंता/उत्तर मध्य रेलवे/फतेहपुर के अधीन पारीक्षा (पीआईसी)। डिपो में रेलवे विशिष्टता आई.आर.एस./आर.डी.एस.ओ.-जी.ई./001-2023-फरवरी-2023 के अनुसार, 65 मि.मी. गेज की मशीन द्वारा तोड़ी गई 1,50,000 क्यू.मी. ट्रैक बैलास्ट की आपूर्ति, स्टैकिंग तथा मशीनीकृत लोडिंग का कार्य।

सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधारः मशीन द्वारा तोड़ा गया स्टोन बैलास्ट/मशीन द्वारा तोड़ा गया कोर्स स्टोन एग्रीगेट की आपूर्ति का कार्य।

नोटः 1. निविदाकर्ता को अपने निविदा प्रपत्र के साथ निम्नलिखित टेस्ट रिपोर्ट देना होगा, जो किसी मान्यता प्राप्त राजकीय प्रतिष्ठान/संस्थान, जिनकी सूची निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, के द्वारा निर्गत होना चाहिए, अन्यथा उनकी निविदा अविचारणीय होगी। (i) साइज ग्रैडेशन टेस्ट, (ii) एब्रेशन वैल्यू टेस्ट (iii) इम्पैक्ट वैल्यू टेस्ट (iv) वाटर एब्जार्पशन टेस्ट। नोटः 2: 1. ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदाओं को निःशुल्क निर्गत किये जायेंगे। 2. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13.30 बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि 19.11.2025 तक उपलब्ध है। 3. निविदा प्रस्ताव दो पैकेट प्रणाली के माध्यम से ऑनलाइन स्वीकार किया जाएगा (i) टैक्निकल बिड (ii) फाइनेन्सियल बिड। 4. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 5. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटरहेड पर यदि संलग्न हैं तो उस विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 6. निविदाकर्ता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर एक प्रमाण-पत्र, जैसा निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। 7. माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी.एस.टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। 8. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। 9. निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in पर भी अपलोड कर दिया गया है। 10. बयाने की राशि केवल नेटबैंकिंग अथवा गेटवे भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। 11. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 12. आनलाइन निविदा निविदा खुलने की तिथि 19.11.2025 को समय 13.30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 13. निविदादाता को जी.सी.सी. 2022 भाग-1 के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अथवा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। 1981/25 FA

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

जीवन रक्षक ओआरएस

सेहतवर्धक बताकर विभिन्न खाद्य–पेय उत्पाद बेचना आज के बाजार की मुनाफा रणनीति का हिस्सा बन चुका है। भले ही वह आम लोगों की सेहत से खिलवाड़ करता हो। ऐसे में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक फॉर्मूलेशन के अनुरूप न होने वाले किसी भी पेय पदार्थ के लेबल पर 'ओआरएस' यानी ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट शब्द लिखने पर प्रतिबंध लगा दिया है। निस्संदेह, यह एक जन–स्वास्थ्य की दिशा में हासिल एक बड़ी सफलता है, जिसकी लंबे समय से प्रतीक्षा की जा रही थी। दरअसल, यह आदेश हैदराबाद की बाल रोग विशेषज्ञ शिवरंजनी संतोष द्वारा आठ साल की लंबी लड़ाई के बाद सामने आया है। वास्तव में उन्होंने यह उजागर करने के लिये लंबा संघर्ष किया था कि कैसे कई चीनी युक्त कथित ऊर्जा बढ़ाने वाले पेय पदार्थों को चिकित्सकीय समाधान के रूप में बेचने के लिये भ्रामक रूप से 'ओआरएस' शब्द का इस्तेमाल किया जा रहा है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि सालों से अभिभावक इस पेय पदार्थ की पैकेजिंग पर कारोबारियों द्वारा लिखे 'ओआरएस' शब्द पर भरोसा करते हुए बीमार बच्चों को पिलाते रहे हैं। वे इस बात से बेखबर थे कि पेय पदार्थ में चीनी की उच्च सांद्रता निर्जलीकरण की स्थिति को बढ़ावा दे सकती है। विशेष रूप से बच्चों को देने पर दस्त की स्थिति में यह घातक हो सकती थी। यहां उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुमोदित ओआरएस घोल में सावधानीपूर्वक ग्लूकोज और इलेक्ट्रोलाइट्स का एक संतुलित मिश्रण निर्धारित होता है। जिसे बीमार बच्चों या व्यक्ति को शरीर में तरल पदार्थों व लवणों की कमी की पूर्ति के लिये तैयार किया जाता है। जबकि हकीकत यह है व्यावसायिक दृष्टि से बेचे जा रहे पेय पदार्थों का भले ही चिकित्सा वैधता का दावा किया जाए, लेकिन वे मीठे घोल के अलावा कुछ नहीं होते। जबकि हकीकत यह है कि इन बाजारू पेय पदाथों की बिक्री से मोटा मुनाफा ही कमाया जा रहा था। यह तथ्य भी चौंकाने वाला ही है कि भारत में इस तथाकथित मीठे 'ओआरएस पेय' का सारा कारोबार लगभग एक हजार करोड़ रुपये के लगभग है। यहां तक कि कुछ पेय पदार्थों के ब्रांड मालिकों ने केवल तीन वर्षों में पांच गुना बिक्री का दावा किया है। उन्होंने ओआरएस बिक्री के चौदह फीसदी से अधिक हिस्से पर अधिकार करने का उल्लेख किया है। दरअसल, विभिन्न स्वाद वाले पेय पदार्थ को स्वास्थ्यवर्धक के रूप में पेश करके कंपनियों को अपने कारोबार में तेजी लाने का आसान मौका मिल जाता है। हकीकत में इसका लाभ कंपनियां अपने ब्रांड का भरोसा बढ़ाने और फार्मेसियों और किराने की दुकानों में समान रूप से उपभोक्ताओं को आकर्षित करने में कामयाब होने में उठाती हैं। यह विडंबना है कि देश में कमजोर नियामक निगरानी के चलते ही इस मुनाफे के घातक कारोबार के विस्तार के लिये अनुकूल वातावरण बन पाया है। अब विश्वास किया जाना चाहिए कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की सख्ती से इस मुनाफाखोरी के घातक कारोबार पर अंकुश लगाने में कामयाब मिल सकेगी। इस सारे प्रकरण का एक सबक यह भी है कि कैसे सतर्क नागरिक और नैतिक रूप से सजग चिकित्सक सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करने में सक्षम हो सकते हैं। खासकर उन क्षेत्रों में जहां अकसर प्रवर्तन कार्रवाई की कमी नजर आती है। निश्चित रूप से यह प्रकरण खाद्य विपणन और वैज्ञानिक प्रमाणों के बीच की खाई को भी उजागर करता है। दरअसल, यह जन स्वास्थ्य से जुड़ी एक ऐसी खाई है जिसे हमारी नियामक एजेंसियों को पाटने के लिये निरंतर सजग रहने की सख्त आवश्यकता है। ओआरएस जैसी साधारण, लेकिन जीवन रक्षक पेय की शुद्धता की रक्षा करते हुए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने एक बार फिर से पुष्टि की है कि स्वास्थ्य की रक्षा कोई मार्केटिंग का नारा नहीं हो सकता। निश्चित रूप से विश्वास किया जाना चाहिए कि इस हालिया प्रतिबंध से आने वाले समय में मीठे–मीठे झूठों का अंत हो सकेगा।

तेजस्वी के नाम पर मुहर, देर आए, दुरुस्त आए

लवप्रीत सिंह

बिहार की सियासत में गुरुवार को एक महत्वपूर्ण पड़ाव आया है। तेजस्वी यादव अब बाकायदा महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित कर दिए गए हैं। बुधवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत और बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लवरू की तेजस्वी यादव से खास मुलाकात हुई, इसमें लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी भी मौजूद थे, तभी तय हो गया था कि अब महागठबंधन में मुख्यमंत्री चेहरा घोषित कर दिया जाएगा। इस मुलाकात के बाद यह भी साफ हो गया कि महागठबंधन बिखर गया है। बीते कई दिनों से एनडीए के नेता लगातार ये बयान दिए जा रहे हैं कि जो लोग अपने गठबंधन को नहीं संभाल पाए, वो राज्य क्या संभालेंगे। दरअसल कांग्रेस, आरजेडी समेत महागठबंधन के ही तमाम लोगों ने यह मौका एनडीए को दिया कि वह उनके मामूली मतभेदों को बढ़ा–चढ़ा कर पेश करे। महागठबंधन ने सीट बंटवारे का कोई ऐलान नहीं किया, कुछ सीटों पर राजद और कांग्रेस के प्रत्याशी दोनों ही उतार दिए गए तो कुछ पर वामदलों के साथ कांग्रेस के मुकाबले की संभावनाएं बनीं। जनअधिकार पार्टी के नेता और सांसद पप्पू यादव खुलेआम कांग्रेस का साथ देते हैं और उनका दावा है कि बिहार में राहुल गांधी बनाम नरेन्द्र मोदी का चुनाव है। पप्पू यादव ने लालू प्रसाद को अभिभावक बताते हुए यह अपील भी कर दी कि जो कांग्रेस की सीटें हैं, वहां राजद के प्रत्याशी न उतारे जाएं। बेशक ऐसा ही होना चाहिए लेकिन पप्पू यादव के इस तरह सार्वजनिक तौर पर बयान देने से बनी हुई बात भी बिगड़ सकती है। कांग्रेस और राजद दोनों ही दलों को अपने कार्यकर्ताओं और नेताओं को सख्त हिदायत देनी चाहिए कि पार्टी लाइन से हटकर कुछ न कहें और खासकर गठबंधन के लोगों के बारे में बिना अधिकृत हुए बयान न दें। महागठबंधन को यह समझना चाहिए कि उसका मुकाबला केवल दूसरे गठबंधन से नहीं है। बल्कि उस एनडीए से है, जिसका नेतृत्व भाजपा कर रही है। केंद्र से लेकर राज्य की सत्ता उसके हाथ में है। संसाधनों के मामले में वह महागठबंधन से काफी ज्यादा मजबूत है। सारी केन्द्रीय एजेंसियां उसके अधीन हैं और जनसुराज पार्टी, बसपा, एआईएमआईएम जैसे दल भी किसी न किसी तरह भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए ही मैदान में उतरते हैं। ऐसे में महागठबंधन के पास अपनी भावी रुपरेखा दिखाने के अलावा और कुछ खास नहीं बचता है, जिसके आधार पर वह जनता को अपने साथ करे। जनता भी बदलाव चाहती है, लेकिन उसके लिए सामने बेहतर विकल्प होना चाहिए। अगर आपस में ही सारे दल लड़ेंगे तो फिर नुकसान ही होगा। 2019 के चुनाव इसका उदाहरण हैं, जिसमें विपक्ष की एकता कायम नहीं हो पाई। लेकिन 2024 के चुनाव में सब एक साथ टिके रहे तो हालात बेहतर हुए। झारखंड चुनाव में भी कांग्रेस और जेएमएम के साथ लड़ने का फायदा मिला, हालांकि अंदरूनी टकराव वहां भी रहा, फिर भी भाजपा हार गई। अब जेएमएम के लिए एक भी सीट न छोड़कर इंडिया गठबंधन ने उसे नाराज कर दिया है। अगर किसी घटक दल को सीट बंटवारे से बाहर रखना है, तो उसकी भरपाई कैसे हो, इसका इंतजाम इंडिया को करना चाहिए था। लेकिन यहां फिर चूक हुई। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने जब वोटर अधिकार यात्रा निकाली थी, तब लोगों ने जितने उत्साह से इसमें हिस्सा लिया, उससे जाहिर है कि लोगों ने इस साथ को पसंद किया। लेकिन उसके बाद राहुल गांधी बिहार के चुनावी परिदृश्य से लगभग गायब हैं। हो सकता है रणनीतिक तौर पर राहुल बिहार नहीं आ रहे, ताकि तेजस्वी यादव पर पूरा फोकस हो सके। तब भी यात्रा के दौरान जब तेजस्वी यादव ने राहुल के लिए भावी पीएम की बात कही और राहुल से तब सीएम फेस को लेकर सवाल हुआ तो वे उसे टाल गए, जबकि अगर वे कूटनीतिक तरीके से उसका जवाब दे देते, तो भाजपा के हाथों से एक बड़ा मौका निकल जाता। इस प्रसंग के बाद कई बार कांग्रेस से सवाल किए गए कि क्या तेजस्वी मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे और कांग्रेस नेता इसे टालते ही रहे। केवल अखिलेश प्रसाद या कन्हैया कुमार जैसे एक–दो नेताओं ने सीधे सवाल का सीधा जवाब दिया। कांग्रेस को इस टालमटोल का नुकसान भी हुआ, क्योंकि कहीं न कहीं बात आपसी भरोसे और सम्मान पर आ गई। जब लालू प्रसाद यादव ने अबकी बार तेजस्वी सरकार का नारा दे दिया तो महागठबंधन को इसी पर आगे बढ़ जाना चाहिए था।

छठपूजा

छठ मैया.... ब्रह्मा जी की मानस पुत्री कहलाती,
सूर्य देवता की ,छठ मैया बहन है मानी जाती।

नहाय, खाय ,खरना, अर्घ्य और पारण इसमें है किया जाता,
चार दिवसीय इस पर्व मैं सूर्य की पूजा होती, जब सूर्य अस्ताचल को जाता।

दीपावली के छठे दिन, इस पर्व को मनाया जाता,ऊ
सूर्य देवता की पूजा करने, घाट घाट को सजाया जाताघ।

आस्था विश्वास का पर्व है यह,सूर्य को अर्घ्य देकर पूर्ण घ्होता,
36 घंटे निर्जल व्रत कर, उगते डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया है जाता।

पूरी आस्था और विश्वास से ,व्रती इस व्रत को पूर्ण है करते,
छठ मैया से प्रार्थना करते,अपनी मनोकामना पूर्ण करते।

रंग बिरंगे घाट सजाये जाते, लोकगीत की धुन पडती सुनाई,
सूप और टोकरी में फल मेवे लेकर ,करते सब पूजा छठ माई।

निश्चल तन मन से होती ,छठ मैया की चार दिनों तक पूजा,
नदी तालाब के बीच खड़े होकर अर्घ्य देते, ऐसा कठिन व्रत नहीं कोई दूजा।

रंजना बिनानी काव्या
गोलाघाट असम

केरल भारत ही नहीं, विश्व के लिए एक मॉडल बन गया

सिद्धार्थ रामू

योजना आयोग को खत्म कर नरेंद्र मोदी सरकार ने नीति आयोग गठित किया। इसी नीति आयोग की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार केरल में सिर्फ 0.7 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा (इसे अत्यधिक गरीबी भी कहा जाता है।) के नीचे हैं। केरल की सरकार ने इन 0.7 प्रतिशत परिवारों को चिन्हित किया और इनकी गरीबी को खत्म करने के लिए विशेष कदम उठाए। इसके नतीजे के तौर अब यह स्थिति है कि केरल में कोई परिवार या व्यक्ति गरीबी रेखा के नीचे नहीं है। इसकी औपचारिक घोषणा केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने की। केरल की इस उपलब्धि को सेलीब्रेट करने के लिए 1 नवंबर को केरल की राजधानी तिरुवनन्तपुरम में आयोजन होगा। यदि नीति आयोग के आंकड़ों (2021) आधार पर देखें तो पूरे भारत में गरीबी रेखा के नीचे 14.96 प्रतिशत लोग हैं। गुजरात में 11.66 प्रतिशत, बिहार में 33.76 प्रतिशत और यूपी में 22.93 प्रतिशत लोग हैं। गरीबी रेखा के इस पैमाने को बहुआयामी गरीबी (डनसजप. कपउमदेपवदंस च्वअमतजल प्दकम• (डच्प्) के रूप में परिभाषित किया गया है। इसमें आर्थिक आय–व्यय नहीं, बल्कि जीवन–स्तर, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी चीजें शामिल होती हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 2021 में केरल में जो 0.7 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा के नीचे थी, उन्हें गरीबी रेखा के से ऊपर लाने के लिए केरल ने कई सारे उपाय किए। सबसे पहले केरल की सरकार ने ऐसे गरीब परिवारों के चिन्हित किया। इनकी संख्या केरल में 64,006 थी। इसे चिन्हित करने का आधार इन परिवारों के पास उपलब्ध खाद्य सामग्री, स्वास्थ्य, जीविकोपार्जन के साथ और आवास को बनाया गया। इसमें ऐसे परिवार भी थे, जिनके नाम वोटर लिस्ट में नहीं थे, जिनके पास आधार कॉर्ड नहीं था और जिन्हें राशन कार्ड भी नहीं मिला था। ऐसे व्यक्तियों की संख्या 21,263 थी। उसके बाद केरल सरकार ने इन 64,006 परिवारों को गरीबी से बाहर निकालने के लिए हर परिवार के लिए ठोस उपाय अख्तियार किया। 3,913 परिवारों को घर उपलब्ध कराया गया। 1, 338 परिवारों को जमीन उपलब्ध कराई गई। 5,651 परिवारों को टूटे–फूटे घर की मरम्मत के लिए प्रति परिवार 2 लाख रूपए उपलब्ध कराए गए। इस तरह एक परिवार और व्यक्ति को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने के लिए अलग–अलग ठोस कदम उठाए गए। इस काम में राज्य सरकार और अन्य सभी स्थानीय निकायों– संस्थाओं पंचायत, जिला परिषद, महापालिका, नगर पालिका आदि ने अपनी–अपनी भूमिका निभाई। इसमें कई स्थानीय निकायों में विपक्षी पार्टियां बहुमत में थीं। उनका उन संस्थाओं पर नियंत्रण था,लेकिन सभी ने मिलकर केरल के हर परिवार और व्यक्ति को गरीबी रेखा से निकाले के पूरी तरह एकजुट होकर काम किया। केरल इंसानी उन्नति, प्रगति और समृद्धि में सबकी साझेदारी के मामले में भारत का सबसे उन्नत प्रदेश ही नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे उन्नत विकसित देशों की बराबरी करता है, कुछ से आगे भी है। इन देशों में अमेरिका, पश्चिमी यूरोप, चीन और क्यूबा जैसे देश भी शामिल हैं। इस बात की पुष्टि नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा योजना आयोग की जगह बनाए गये नीति आयोग की 2023–24 की रिपोर्ट भी करती है। नीति आयोग की रिपोर्ट (SDG India inde• 2023–24) कहती है कि केरल मानव विकास सूचकांक में भारत का शीर्ष प्रदेश है। नीति आयोग ने केरल को 79 मार्क दिया है, उसके 78 मार्क के साथ तमिलनाडु दूसरे स्थान पर है। बिहार को 57 मार्क दिया गया है। बिहार और केरल के बीच 22 मार्क का अंतर है। इस मार्क में मानव विकास से जुड़े 16 बड़े लक्ष्य शामिल थे। इन 16 बड़े लक्ष्यों में आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरण संबंधी लक्ष्य शामिल हैं। सहज–स्वाभाविक सी बात है कि इसमें पोषण का स्तर, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं पहले स्थान पर हैं। केरल इंसानी उन्नति के पैमाने पर दुनिया के सबसे उन्नत देशों के बराबर है या उनसे आगे है। इसके कुछ सीमित ठोस आंकड़े देखते हैं, जिससे नीति आयोग द्वारा केरल को दिए शीर्ष स्थान की पुष्टि होती है। साक्षरता किसी देश या प्रदेश की उन्नति के बुनियादी मानकों में से एक है। नेशनल सर्वे की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार केरल की साक्षरता दर 96.2 प्रतिशत है। भारत की कुल औसत साक्षरता दर इस सर्वे के अनुसार 77.7 प्रतिशत है। यूनेस्कों के आंकड़ों के अनुसार विश्व की साक्षरता दर 86.5 प्रतिशत है।

आंकडों से साफ है कि केरल की साक्षरता दर भारत की औसत साक्षरता दर से करीब 18 प्रतिशत और विश्व की साक्षरता की औसत साक्षरता दर से करीब 10 प्रतिशत अधिक है। ये आंकडे कुछ बातें साफ कर देते हैं। पहली तो यह कि जिस प्रदेश में आधी आबादी हिंदू, एक चौथाई मुस्लिम और 20 प्रतिशत ईसाई है, यदि उसमें सबके बीच साक्षरता की दर कमोबेश समान न हो तो 96.2 प्रतिशत साक्षरता की दर हासिल ही नहीं की जा सकती है। केरल उन राज्यों में से है जो उच्च शिक्षा पर सबसे अधिक धन खर्च करते हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख किया गया है।

छठः एक अंतर्राष्ट्रीय महापर्व

आदिकाल से श्रद्धा और भक्ति की स्वरूप है छठ।
देवों में सूर्य और देवियों में शक्ति की रूप है छठ।।

राजा प्रियव्रत और रानी मालिनी की उपवास है छठ।
महर्षि कश्यप द्वारा पुत्र रत्न की विश्वास है छठ।।

अयोध्या वापसी पर राम और सीता द्वारा विजय पर्व है छठ।
ऋषि मुद्गल के प्रयासों से संपूर्ण सनातन धर्म की गर्व है छठ।।

माता कुंती को कण जैसे वीर और महान संतान की वरदान है छठ।
रानी द्रौपदी द्वारा पाण्डवों को पुनरू राजपाठ मिलने की गुणगान है छठ।।

संतान प्राप्ति और समृद्धि हेतु आदर्श त्यौहार है छठ।
माताओं और बहनों द्वारा प्रकृति से विनम्र गुहार है छठ।।

उषा और प्रत्यूषा के उपासना की एकमात्र मिशाल है छठ।
हिंदू पर्व में प्रमुख, लोकप्रिय और विशाल है छठ।।

मुंगेर के पावन घाट से विश्व के हर कोने में विद्यमान है छठ।
विदेशों में भारतीयों के आस्था और संस्कृति की पहचान है छठ।।

यूनेस्को में धरोहर के रूप में शामिल होने वाली है छठ।
करोड़ों लोगों की उमंग,उत्साह और और खुशहाली है छठ।।

आदिकाल से श्रद्धा और भक्ति की स्वरूप है छठ।
देवों में सूर्य और देवियों में शक्ति की रूप है छठ।।

(आशीष कुमार सैनी)'
पुराछात्र–इलाहाबाद विश्वविद्यालय

साहित्यः जीवन की आलोचना और परिष्कृत आचरण का मार्ग

संजीव ठाकुर

साहित्य केवल शब्दों की रचना नहीं, बल्कि जीवन की आत्मा का स्पंदन है। यह वह चेतन ऊर्जा है जो समाज के भीतर से उठकर उसे परिष्कृत करती है। प्रेमचंद का यह कथन इसीलिए शाश्वत है क्योंकि साहित्य केवल जीवन का वर्णन नहीं करता, बल्कि उसकी आलोचना करता है कृ उसे दिशा देता है, और उसे मानवीय बनाता है। साहित्य एक स्वायत्त आत्मा है। इसका सृजन करने वाला भी नहीं जानता कि उसकी रचना की अनुगूंज कब, कहाँ और कितनी दूर तक जाएगी। इस दृष्टि से साहित्य का सत्य केवल तथ्य नहीं, बल्कि समाज की नैतिक, संवेदनात्मक और दूरदर्शी चिंता है। वह समाज की विसंगतियों को दूर करने वाला रक्षक भी है, और आत्मा को निर्मल करने वाला साधक है।साहित्य सत्य की साधना है, शिवत्व की कामना है और सौंदर्य की अभिव्यक्ति भी। यह मनुष्य के भीतर छिपी मानवता का उत्खनन है। उत्कृष्ट साहित्य समाज की संवेदनाओं को, उसकी सहज वृत्तियों को युगों–युगों तक जीवंत बनाए रखता है। कालिदास की अभिज्ञानशाकुंतलम्, सूरदास की सूरसागर, कबीर की साखियाँ, प्रेमचंद की कहानियाँ और शेक्सपियर के नाटक कृ ये सभी इस सत्य के प्रमाण हैं कि साहित्य मनुष्य के अंतरजगत का आरसा है। रवींद्रनाथ ठाकुर ने कहा था साहित्य मानवता का आत्मवृत्तांत है।"राजनीतिक और भौगोलिक सीमाएँ चाहे जैसी हों, साहित्य का धरातल सार्वभौमिक है। किसी देश की भाषा और साहित्य उसके सभ्यतागत विकास की सहज झलक प्रस्तुत करते हैं। साहित्य में समाज के सुख–दुख, आशा–निराशा, उत्थान–पतन, संघर्ष और समर्पण का जीवंत चित्रण होता है कृ और यही उसकी कालजयीता का कारण है।साहित्य और संस्कृति एक–दूसरे के पूरक हैं। जैसे जीवन में संघर्ष और निरंतरता है, वैसे ही साहित्य में समय और परिस्थिति की छाप परिलक्षित होती है। साहित्य वर्तमान को समझते हुए भविष्य की रूपरेखा तय करता है और समाज की सुषुप्त विवेक–शक्ति को जागृत करता है। जब समाज दिशाहीन होता है, तब साहित्य दीपक बनता हैय जब संवेदनाएँ क्षीण होती हैं, तब साहित्य उन्हें पुनः जीवित करता है। महात्मा गांधी ने कहा था सच्चा साहित्य वही है जो मनुष्य के भीतर की श्रेष्ठता को जागृत करे।" कबीर, टैगोर, शरदचंद्र, जयशंकर प्रसाद, फणीश्वरनाथ रेणु, प्रेमचंद, शेक्सपियर, मिल्टन और होमर की रचनाएँ आज भी जनमानस में जीवंत हैं क्योंकि वे समाज, संस्कृति और मनुष्यता की धड़कन हैं।

पंडित नेहरू ने भी कहा था "संस्कृति राष्ट्र की आत्मा है।" जब यह आत्मा जीवंत रहती है, तब साहित्य उसका सबसे सशक्त माध्यम बन जाता है। साहित्य अपने समय की आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों से प्रभावित होता है, परंतु साथ ही उन्हें प्रभावित भी करता है। इसीलिए साहित्य सदैव देशकालिक, सांस्कृतिक रूप से जीवंत, और सामाजिक चेतना का वाहक होता है। साहित्य का मूल्य इस बात में है कि वह यथार्थ को समझकर आदर्श का निर्माण करे।जयशंकर प्रसाद ने कहा था "जीवन की अभिव्यक्ति यथार्थवाद है और अभाव की पूर्ति आदर्शवादय साहित्य की पूर्णता दोनों के समन्वय में निहित है।"साहित्य वह प्रक्रिया है जिसमें जीवन अपने प्रतिबिंब को देखता है और स्वयं को सुधारता है। वह न केवल समाज के दुखों का दर्पण है, बल्कि उनके समाधान का साधन भी है। अज्ञेय ने कहा था दृ "साहित्य मनुष्य को उसकी अस्मिता का बोध कराता है।" यही कारण है कि साहित्य जीवन की आलोचना

होते हुए भी उसके परिष्कार का साधन बनता है। आज जब भौतिकता, उपभोक्तावाद और आत्मकेंद्रित दृष्टिकोण ने मानवीय मूल्यों को कमजोर किया है, तब साहित्य वही आलोक स्तंभ है जो हमें पुनः मनुष्यता की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है। साहित्य केवल विचार नहीं, वह संस्कृति की स्मृति और भविष्य का सृजन है। वह व्यक्ति को समाज से, और समाज को उसकी आत्मा से जोड़ता है। श्रेष्ठ साहित्य वही है जो मनुष्य के भीतर और बाहर दोनों को परिष्कृत करे। वह हमें सोचने, बदलने और जीने की नई दृष्टि देता है। क्योंकि साहित्य केवल अध्ययन नहीं, जीवन का आचरण है– मानवता के नवीनीकरण का साधन है।

पत्रकार से एक्ट्रेस बनीं दीक्षा जुनेजा

दीक्षा जुनेजा इंडस्ट्री की उभरती कलाकार हैं। हाल ही में वो नेटफ्लिक्स की सीरीज 'सारे जहां से अच्छा' में नजर आई हैं। इस सीरीज में उन्होंने इंडस्ट्री की कई दिग्गज कलाकारों के साथ काम किया है और उनसे अपने काम के लिए तारीफ भी बटोर रही हैं। दिवंगत एक्टर ऋषि कपूर के साथ अपने करियर की शुरुआत करने वाली दीक्षा एक्ट्रेस बनने से पहले कास्टिंग असिस्टेंट थीं और उससे पहले जर्नलिस्ट। आज वो ओटीटी के हर प्लेटफॉर्म के लिए काम कर चुकी हैं। दैनिक भास्कर से बातचीत में दीक्षा ने अपनी जर्नी के बारे में खुलकर बात की है। दीक्षा, आपकी सीरीज 'सारे जहां से अच्छा' नेटफ्लिक्स पर आई है। इसमें काम करने का अनुभव कैसा रहा? मैंने इस सीरीज में 'नसीम' का रोल प्ले किया है। मेरी जर्नी बहुत ही हसल वाली रही है। वेब सीरीज मुझे ऐसे मिली कि मेरी एक मीटिंग गौरव शुक्ला से हुई, जो इस सीरीज के क्रिएटिव डायरेक्टर और राइटर थे। अगले ही दिन उनका कॉल आया और मुझे रोल मिल गया। मुझे इंतजार नहीं करना पड़ा, काफी जल्दी काम मिल गया। उसके बाद किरदार के लिए मैंने उर्दू डिक्शन की क्लास ली, क्योंकि इस रोल में पंजाबी और उर्दू का बैलेंस चाहिए था। मैं पंजाब से हूं तो पंजाबी आती थी, लेकिन ध्यान इस बात का रखना था कि मेरी पंजाबी भारतीय वाली ज्यादा न लगे, बल्कि पाकिस्तानी साउंड करे, यही सबसे मुश्किल था। हमारे डिक्शन कोच इशरक जी थे, जो रिहर्सल करवाते थे। इससे पहले मैंने एक शॉर्ट फिल्म में 'राहिला' नाम का मुस्लिम किरदार निभाया था, उसमें उर्दू सीखी थी, तो अब ज्यादा वक्त नहीं लगा। मेरा मानना है कि एक्टर के तौर पर तलफ्फुज साफ होना चाहिए। एक्टिंग में ये सब बहुत काम आता है। मैं नुसरत साहब के गाने सुनती हूं, वहां से भी बहुत कुछ सीखा। मैंने दो हफ्तों में किरदार के बोलने लायक उर्दू सीख ली थी। सीरीज में प्रतीक गांधी, रजत कपूर और तिलोत्तमा शोम जैसे बड़े कलाकार हैं। उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? मुझे जब पता चला कि ये सारे सीरीज का हिस्सा हैं और मुझे इनके साथ काम करने का मौका मिलेगा तो मैं बहुत खुश हुई थी। मैं तिलोत्तमा मैम की बहुत बड़ी फैन हूं। हालांकि, कई कलाकारों के साथ मुझे सीन शूट करने का मौका नहीं मिला,

पैसों के लिए एक्टिंग में आईं, ऋषि कपूर की फिल्म से डेब्यू, OTT के हर प्लेटफॉर्म पर अब इनका शो

लेकिन इस बात से बहुत खुशी थी कि जिनके काम देखकर सीखा है, उनके साथ शो शेयर कर रही हूं। सभी एक्टर बहुत स्किल्ड और और अपना काम में काफी अच्छे हैं। मैं सेट पर इन सबसे मिल नहीं पाई क्योंकि हमारा साथ में सीन नहीं था। लेकिन मैं शो के सक्सेस पार्टी में पहली बार सबसे मिली। मुझे नहीं लगा था कि मेरे किरदार नसीम को इतना प्यार मिलेगा। उस पार्टी में हर कोई शो के साथ मेरे कैरेक्टर के बारे में बात कर रहा था। प्रतीक गांधी और उनकी वाइफ ने मेरी तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें शो में मेरा काम बहुत पसंद आया। हम तुम्हें और देखना चाहते थे। हमारे बच्चों को भी तुम्हारा काम पसंद आया। वहीं, रजत कपूर सर पहले पार्टी में मुझे पहचान नहीं पाए। जब मैंने उन्हें बताया कि मैंने शो में नसीम प्ले किया है फिर वो हैरान रह गए। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं आपको पहचान नहीं पाया क्योंकि आप सामने से इतनी अलग लगती हैं। वो पंद्रह मिनट मेरे साथ बैठे और मुझसे बात कीं। मेरी काम की तारीफ की। सीन्स के बारे में डिस्कशन किया। इस तरह वो रात मेरे लिए यादगार बन गई। आपकी फिल्मोग्राफी देखें तो अपने लगभग हर ओटीटी प्लेटफॉर्म पर काम किया है। इसे आप कैसे देखती हैं? मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यहां तक पहुंचूंगी। मैं तो एक्टर बनना ही नहीं चाहती थी, लेकिन किस्मत में था। लोग आकर बताते हैं कि उन्होंने मुझे ओटीटी की फलां सीरीज में देखा है तो अच्छा लगता है। हर प्लेटफॉर्म पर मेरा कोई ना कोई एक शो है, मतलब हर ऑडियंस तक मेरा काम पहुंच रहा है। इससे अच्छा क्या होगा एक एक्टर के लिए कि लोग आपके काम को पहचानते हैं। बतौर एक्टर आप यही तो चाहते हैं कि ऑडियंस तक आपका काम पहुंचे। हाल ही में दीक्षा अमेजन प्राइम के शो मिट्टी में भी नजर आई थीं। आपने हर तरह के जॉनर में काम किया है, तो आपको खुद कौन सा रोल करना ज्यादा पसंद है– कॉमेडी, स्पाई या एक्शन? मेरे लिए ड्रामा करना आसान है, लेकिन कॉमेडी परफॉर्म करने में ज्यादा मजा आता है। मैं खुद बड़ी फनी हूं तो परफॉर्म करना आसान हो जाता है। जैसी हूं वैसा ही आ जाता है। किसी सीन को देखकर रो देना इतना मुश्किल नहीं, लेकिन कॉमेडी मुश्किल है। जोक सही जगह लैंड करे, इसका ध्यान रखना पड़ता है। ये सब मैंने थिएटर से सीखा है। मैं फिल्म 'हेरा फेरी' की बहुत बड़ी फैन हूं। मैं इस फिल्म को 50 से 100 बार देख चुकी हूं। परेश रावल की एक्टिंग पसंद है, उनकी नकल भी उतारती थी। आपकी जर्नी काफी दिलचस्प रही हैं। चंडीगढ़ की लड़की पहले जर्नलिस्ट बनीं फिर कास्टिंग असिस्टेंट और अब एक्ट्रेस। इतना ट्रांजिशन कैसे हुआ? मुझे स्कूल में स्टेज परफॉर्मेंस बहुत पसंद थी। कुछ भी होता, मैं सबसे पहले स्टेज पर पहुंच जाती थी। पेरेंट्स टीचर से कहते "बस करो, इससे क्या–क्या करवाओगे।" छोटे शहर से थी, तो किसी ने कभी कोई बड़ा सपना दिखाया नहीं, सब हॉबी बनकर रह गया। जब मैं बीकॉम कर रही थी, तो मैं पढ़ाई से बोर हो गई थी।

दो पहलू, एक लड़ाई, हक से यामी और इमरान के शानदार कैरेक्टर पोस्टर आए सामने

टीजर को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद, अब हक का ट्रेलर भी जल्द ही आने वाला है। राजी, तलवार, और बधाई दो जैसी दमदार और बातचीत शुरू करने वाली फिल्में बनाने वाले स्टूडियो जंगली पिक्चर्स ने इसे प्रोड्यूस किया है, और यह एक बार फिर धूम मचाने के लिए तैयार है। सुप्रीम कोर्ट के एक ऐतिहासिक फैसले से प्रेरित, यह फिल्म 80 के दशक की सबसे विवादास्पद और जरूरी बहसों में से एक को फिर से सामने लाती है, जो आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, क्या एक राष्ट्र, एक कानून होना चाहिए? हमें व्यक्तिगत विश्वास और धर्मनिरपेक्ष कानून के बीच कहां लकीर खींचनी चाहिए? इंतजार को और बढ़ाते हुए, यामी गौतम धर और इमरान हाशमी के नए जारी किए गए कैरेक्टर पोस्टर श्हकश की दुनिया की एक दमदार पहली झलक देते हैं। यामी का पोस्टर अपनी गरिमा और अधिकारों के लिए लड़ रही एक महिला के लचीलेपन को दिखाता है, जबकि इमरान का पोस्टर कानून, विश्वास और जमीर के बीच फँसे एक आदमी की तीव्रता को दर्शाता है। दोनों पोस्टर मिलकर एक ऐसी दुनिया को दिखाते हैं जो विश्वास से बंटी हुई है फिर भी न्याय की तलाश से जुड़ी हुई है, जो आगे आने वाली कहानी के लिए माहौल एकदम सही सेट करता है। यामी गौतम धर और इमरान हाशमी अभिनीत, श्हकश एक प्रेरणादायक महिला की कहानी को जीवंत करती है जो चुप रहने से इनकार करती है। इमरान हाशमी एक तेज–तर्रार वकील का किरदार निभा रहे हैं जो इस जबरदस्त इन्टेन्स ड्रामा में उसका साथ देते हैं, जो समाज को एक स्टैंड लेने की हिम्मत देता है। जंगली पिक्चर्स के साथ–साथ इंसोमनिया फिल्म्स और बावेजा स्टूडियोज द्वारा निर्मित, हक दमदार, सामाजिक रूप से प्रासंगिक सिनेमा की जंगली पिक्चर्स की विरासत को जारी रखती है। ट्रेलर 27 अक्टूबर को रिलीज होने वाला है, और इस फिल्म के लिए उत्सुकता लगातार बढ़ रही है, जिसे कई लोग 2025 का डार्क हॉर्स कह रहे हैं। श्हकश 7 नवंबर, 2025 को सिनेमाघरों में आ रही है, और एक ऐसी बहस को फिर से शुरू कर रही है जो कभी खत्म नहीं हुई।

शादी करने जा रहीं जान्हवी कपूर, तारीख की भी कर दी घोषणा?

फैशन डिजाइनर और फिल्म डायरेक्टर विक्रम फडणीस ने इंडस्ट्री में 35 साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर मुंबई में एक फैशन इवेंट का आयोजन हुआ था, जिस समय सलमान खान अपने फैशन डिजाइनर दोस्त विक्रम के लिए शो स्टॉपर बने। सलमान खान ने विक्रम फडणीस की गोल्डन–रेड फ्लोरल शेरवानी स्टाइल के सिल्क जैकेट पहनी थी। इसे उन्होंने ब्लैक कुर्ते पजामे के साथ पेयर किया था। सलमान ने स्वैग में कैटवॉक की। इस दौरान उनकी सिक्योरिटी टीम को भी ऑडियंस के बीच स्पॉट किया गया। फैशन डिजाइनर विक्रम फडणीस के साथ सलमान। इस फैशन इवेंट में शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान भी मौजूद रहीं, जो सलमान की कैटवॉक पर तालियां बजा रही थीं। इवेंट में सलमान खान ने रैंप वॉक के बाद सभी लोगों से मुलाकात की। सलमान ने बिपाशा को गले लगाया, वहीं बीवी नंबर 1 को–स्टार सुष्मिता सेन से भी बात की। फैशन इवेंट में की गई रैंपवॉक के बाद सलमान अपनी सिक्योरिटी टीम के साथ वेन्यू से निकलते दिखे। सोनाक्षी सिन्हा इस फैशन इवेंट में पति जहीर इकबाल के साथ पहुंचीं। उन्होंने ट्रेडिशनल अनारकली पहना था। बिपाषा बासू इंडो–वेस्टर्न लुक में पहुंची थीं। ओरी सफेद आउटफिट में इवेंट में पहुंचे।

जान्हवी कपूर अपनी फिल्मों के साथ–साथ अपनी लव लाइफ को लेकर भी काफी सुर्खियों में रहती हैं। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर ही उन्हें बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के साथ देखा जाता है। बीच–बीच में ऐसी भी चर्चाएं सामने आती रहीं कि दोनों जल्द ही शादी के बंधन में भी बंध सकते हैं। हालांकि, जान्हवी इन खबरों को फिलहाल खारिज ही करती रहीं। अब जान्हवी कपूर की एक पोस्ट ने उनकी शादी की खबरों को फिर से हवा दे दी है। जानिए क्या है पूरा मामला?

जान्हवी कपूर ने सोशल मीडिया पर एक क्रिप्टिक पोस्ट की, जो बाद में उन्होंने डिलीट भी कर दी। लेकिन तब तक वो वायरल हो चुकी थी। अब इस पोस्ट के बाद से ही जान्हवी को लेकर तमाम तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। कई फैंस इसे जान्हवी की शादी से जोड़कर भी देख रहे हैं। दरअसल, जान्हवी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, 'डेट सेव कर लो 29 अक्तूबर।' इसके साथ उन्होंने एक हार्ट इमोजी के साथ–साथ डांसिंग गर्ल और फ्लाइट की तस्वीर शेयर की। हालांकि, कुछ देर बाद ही जान्हवी ने अपनी ये स्टोरी डिलीट भी कर दी। लेकिन तब तक ये वायरल हो चुकी थी।

पीरियड क्रैंप्स से राहत और स्किन के लिए बेहतरीन, जानें यह खास नुस्खा!

महिलाओं के लिए पीरियड्स के दौरान होने वाला दर्द और बेजान त्वचा अक्सर परेशान करने वाले मुद्दे होते हैं। अगर इन दोनों समस्याओं का समाधान एक साथ हो जाए, तो यह जीवन को काफी आसान बना सकता है। एक प्रभावी घरेलू उपाय के रूप में, कद्दू के बीज, काले तिल और सूरजमुखी के बीज का मिश्रण शहद के साथ न केवल पीरियड क्रैंप्स को कम करता है, बल्कि त्वचा को भी निखारता है।

सामग्री

शहदः 1 चम्मच

कद्दू के बीजः 1 चम्मच

काले तिल के बीजः 1 चम्मच

सूरजमुखी के बीजः 1 चम्मच

उपाय बनाने और सेवन करने का तरीका

इन सभी बीजों को एक साथ मिलाकर और शहद के साथ सेवन करना एक प्रभावी उपाय है। इसके लिए 1 चम्मच कद्दू के बीज, 1 चम्मच काले तिल के बीज, 1 चम्मच सूरजमुखी के बीज और 1 चम्मच शहद को एक कटोरी में डालें और अच्छी तरह मिलाएं। यह मिश्रण न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि आपकी सेहत के लिए भी फायदेमंद है। इसे सुबह या शाम नाश्ते के रूप में या खाने के बाद हेल्दी स्नैक के रूप में लिया जा सकता है। नियमित रूप से इसे सेवन करने से पीरियड क्रैंप्स में राहत और त्वचा की चमक में सुधार हो सकता है।

कद्दू के बीज

कद्दू के बीज मैग्नीशियम और जिंक से भरपूर होते हैं, जो हार्मोन को संतुलित करने में मदद करते हैं। ये पीएमएस (प्री–मेंस्ट्रुअल सिंड्रोम) जैसे लक्षणों को कम कर सकते हैं, जिससे पीरियड क्रैंप्स में राहत मिलती है।

काले तिल के बीज

काले तिल के बीज में हेल्दी फैट्स और विटामिन होते हैं, जो त्वचा की लोच और हाइड्रेशन बढ़ाते हैं। ये एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं, जो त्वचा की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को कम करने में मदद करते हैं।

सूरजमुखी के बीज

सूरजमुखी के बीज में भी मैग्नीशियम, विटामिन ई, और सेलेनियम होते हैं, जो हार्मोन को संतुलित करने और ऊर्जा के स्तर को बनाए रखने में मदद करते हैं। ये बीज आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद होते हैं।

शहद

शहद सिर्फ आपके मिश्रण को मिठा नहीं बनाता, बल्कि यह एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–बैक्टीरियल गुणों से भी भरपूर होता है, जो आपके ओवरऑल हेल्थ को सपोर्ट करता है। यह तनाव हार्मोन यानी कोर्टिसोल को नियंत्रित रखने में भी मदद करता है।

सुझाव

पानी का सेवन बढ़ाएं

उचित हाइड्रेशन आपके शरीर में विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करता है और त्वचा को निखारता है। दिन में कम से कम 8–10 गिलास पानी पीने की कोशिश करें। यह न केवल किडनी के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है, बल्कि यह शरीर में ऊर्जा के स्तर को भी बनाए रखता है। हाइड्रेटेड रहने से शरीर के अंगों की कार्यक्षमता बढ़ती है, जिससे त्वचा पर निखार आता है और डिहाइड्रेशन के कारण होने वाली समस्याएं कम होती हैं।

विटामिन और मिनरल्स

संतुलित आहार में फलों और सब्जियों को शामिल करें, जो आपकी त्वचा और हार्मोनल संतुलन के लिए लाभदायक होते हैं। फलों और सब्जियों में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स, जैसे कि विटामिन सी और ई, त्वचा की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करते हैं। हरी पत्तेदार सब्जियाँ और मौसमी फल आपके शरीर को आवश्यक पोषण प्रदान करते हैं और मेटाबॉलिज्म को सुधारते हैं, जिससे आपको अंदर से स्वस्थ महसूस होता है।

योग और व्यायाम

नियमित योग और व्यायाम पीरियड क्रैंप्स को कम करने और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद कर सकते हैं। व्यायाम से रक्त संचार बढ़ता है, जिससे मांसपेशियों में ऑक्सीजन की आपूर्ति बेहतर होती है और दर्द में राहत मिलती है। योग के कुछ आसन, जैसे कि बालासन और सुप्त बद्धकोणासन, विशेष रूप से पीरियड्स के दौरान राहत प्रदान करने में सहायक होते हैं। मानसिक तनाव कम करने के लिए ध्यान और श्वास नियंत्रण के अभ्यास भी बेहद फायदेमंद होते हैं।

नींद

पर्याप्त नींद लेना शरीर के तनाव को कम करता है और त्वचा की सेहत को भी बढ़ावा देता है। जब आप अच्छी नींद लेते हैं, तो शरीर खुद को फिर से चार्ज करता है, जिससे आप तरोताजा और ऊर्जावान महसूस करते हैं। नींद की कमी से हार्मोनल असंतुलन हो सकता है, जो पीरियड्स के दर्द को बढ़ा सकता है। अच्छी नींद पाने के लिए एक नियमित सोने का समय निर्धारित करें और सोने से पहले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग कम करें। नींद के दौरान शरीर डिटॉक्सिफिकेशन प्रक्रिया भी करता है, जो आपकी त्वचा को प्राकृतिक रूप से निखारता है।

नाश्ते में मैगी खा लें लेकिन भूलकर भी ये न खाए, जानें क्यों?

सुबह का नाश्ता हमारे दिन की शुरुआत को संवारने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन इसे सेहतमंद बनाए रखना बेहद जरूरी है। अगर आप सोच रहे हैं कि क्या सुबह छोले भटूरे जैसे तले–भुने खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए, तो आपको फिर से सोचना होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह नाश्ता आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है और इससे कई गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए, आज हम जानेंगे कि क्यों छोले भटूरे से बचना चाहिए और कौन से पौष्टिक विकल्प आपके नाश्ते को न केवल स्वादिष्ट, बल्कि सेहतमंद भी बना सकते हैं। सही नाश्ते का चयन करके आप अपनी ऊर्जा को बढ़ा सकते हैं और पूरे दिन सक्रिय रह सकते हैं। चलिए, एक नजर डालते हैं कुछ बेहतरीन और स्वस्थ नाश्तों पर!

छोले भटूरे का स्वास्थ्य पर प्रभाव

छोले भटूरे एक लोकप्रिय भारतीय व्यंजन है, लेकिन यह सुबह के नाश्ते के लिए सही विकल्प नहीं है। इसकी तली हुई विशेषता और इसमें उच्च मात्रा में तेल और वसा होती है, जो सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इससे पेट खराब होने, मोटापा बढ़ने, और हड्डियों के कमजोर होने का खतरा बढ़ सकता है। इसके अतिरिक्त, मैदा की वजह से फूड एलर्जी और इम्यून सिस्टम कमजोर होने की संभावनाएं भी बढ़ जाती हैं।

बेहतर नाश्ते

मैगी

डॉक्टर ने मैगी को एक आसान विकल्प बताया है, लेकिन इसके पोषण संबंधी तत्वों की कमी इसे स्वस्थ नाश्ते का विकल्प नहीं बनाती। इसमें अधिकतर कार्बोहाइड्रेट होते हैं और फाइबर की कमी होती है, इसलिए इसे सिर्फ मजबूरी में ही खाना चाहिए। यदि कभी इसका सेवन करें, तो कोशिश करें कि इसे सब्जियों के साथ मिलाकर बनाएं, ताकि इसमें थोड़ा पोषण जोड़ सकें।

डोसा

डोसा एक स्टीम्ड और हेल्दी विकल्प है जो ना केवल आसानी से पच जाता है, बल्कि इसमें फाइबर और प्रोटीन भी होते हैं। इसे रोजाना नाश्ते में शामिल किया जा सकता है, और यह ताजगी और ऊर्जा प्रदान करता है। इसे सांबर या चटनी के साथ खाना एक संतुलित नाश्ता बनाता है, जो आपके दिन की शुरुआत को स्वस्थ बनाता है।

इडली

इडली भी एक स्टीम्ड और स्वास्थ्यवर्धक नाश्ता है, जो चावल और दाल से बना होता है। यह न केवल ऊर्जा प्रदान करता है, बल्कि वजन को नियंत्रित रखने में भी मदद करता है। इडली के साथ चटनी या सांबर का सेवन करना इसे और भी स्वादिष्ट और पौष्टिक बनाता है, और यह जल्दी पचने वाला होता है।

ब्रेड ऑमलेट

अंडा प्रोटीन का अच्छा स्रोत है, और ब्रेड ऑमलेट इसे और भी बेहतर बनाता है। इसे नियमित रूप से खाने से शरीर को आवश्यक पोषण मिलता है और यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में मदद करता है। इसमें आप अपनी पसंद के सब्जियां भी डाल सकते हैं, जिससे यह और भी पौष्टिक बन जाता है।

आलू पराठा

आलू पराठा को दही के साथ खाना न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि यह प्रोटीन और कैल्शियम का अच्छा स्रोत भी है। पराठे में देसी घी का प्रयोग करना इसे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद बनाता है, क्योंकि यह अच्छे फैट का स्रोत है। इसे सब्जियों या चटनी के साथ खाकर एक संतुलित नाश्ता बनाया जा सकता है।

पोहा

पोहा चावल से बना होता है और यह हल्का और सस्ता नाश्ता है। अगर इसमें सब्जियों को मिलाकर बनाया जाए, तो यह एक संतुलित भोजन बन जाता है। पोहा जल्दी पकता है और इसे आसानी से तैयार किया जा सकता है, जिससे यह सुबह के व्यस्त समय में एक उत्कृष्ट विकल्प बनता है। इसके सेवन से आपको लंबे समय तक भूख नहीं लगती और यह वजन नियंत्रण में मदद करता है। छोले भटूरे से दूर रहकर और उपर्युक्त विकल्पों का चयन करके आप न केवल अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं, बल्कि दिन की शुरुआत भी एक हेल्दी नोट पर कर सकते हैं। डॉक्टर रवि के गुप्ता की सलाह का पालन करें और नाश्ते में स्वास्थ्यवर्धक चीजों का समावेश करें ताकि आप स्वस्थ और सक्रिय रहें।

लंबे-घने बालों के लिए फॉलो करें ये सिंपल टिप्स, महीने भर में दिखेगा असर

हर लड़की की चाहत होती है कि उसके बाल लंबे, घने और शाइनी हों। जिसके लिए वह काफी महंगे–महंगे हेयर प्रोडक्ट का भी इस्तेमाल करें। ऐसे में अगर आप भी अपने बालों को लंबा और घना बनाना चाहते हैं। तो आपको अपने हेयर केयर रूटीन में शामिल कुछ टिप्स रेगुलरली फॉलो करना चाहिए। क्योंकि अगर आप हेल्दी हेयर केयर रूटीन फॉलो नहीं करती हैं, तो इससे बालों की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। कई बार पोषण की कमी होने का असर भी हमारे बालों पर नजर आता है, ऐसे में आप छोटे–छोटे टिप्स फॉलो कर आप अपने बालों को हेल्दी बना सकते हैं।

तो आइए जानते हैं इन हेयर केयर टिप्स के बारे में...

ट्रिमिंग है जरूरी

लंबे और घने बालों के लिए इनकी ट्रिमिंग कराना बेहद जरूरी है। ट्रिमिंग की सहायता से दो–मुंहे बाल रिमूव हो जाएंगे। दो मुंहे बाल ग्रोथ में बाधा बन सकते हैं। इसके साथ ही ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाने और हेयर हेल्थ को इम्प्रूव करने के लिए रोजाना लकड़ी की कंघी से अपने बालों को सुलझाएं।

हेयर वॉश

बता दें कि दादी–नानी के समय से बाल धोने से पहले बालों और स्कैल्प पर तेल से मसाज की जाती है। अगर आप बाल धोने से एक रात पहले या फिर 2–3 घंटे पहले सिर में तेल अप्लाई करते हैं, तो आपको कुछ हफ्तों से इसके रिजल्ट्स दिखाई देंगे। वहीं सप्ताह में दो बार माइल्ड शैंपू से हेयर वॉश करें। वरना आपके बालों संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

डाइट पर करें फोकस

बालों को घना और लंबा बनाने के लिए आपको अपनी डाइट पर फोकस करना भी बेहद जरूरी है। आपकी डाइट में प्रोटीन, फाइबर, फैट्स, कार्बोहाइड्रेट्स, विटामिन्स और मिनरल्स जैसे तत्व संतुलित मात्रा में होने चाहिए। वहीं बालों को हार्ष केमिकल प्रोडक्ट्स, तेज धूप, ड्रायर, स्टेटनर्स और कर्लर्स जैसे टूल्स से दूर रखना चाहिए। अगर आप ऊपर बताए गए टिप्स को फॉलो करेंगे तो आपको महज कुछ हफ्तों के अंदर मनचाहे परिणाम देखने को मिलेंगे।

किडनी को करें डिटॉक्स, डाइट में जोड़ें ये 5 बेहतरीन ड्रिंक्स!

किडनी हमारे शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है, जो रक्त से विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करती है। सही ड्रिंक्स का सेवन करके आप अपनी किडनी के स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। यहां हम आपको पांच ऐसे ड्रिंक्स के बारे में बता रहे हैं, जो किडनी को डिटॉक्स करने में मददगार साबित हो सकते हैं।

नींबू पानी

सुबह की शुरुआत 2 गिलास गुनगुने पानी में 1 नींबू मिलाकर करने से किडनी के स्वास्थ्य में सुधार होता है। नींबू में मौजूद सिट्रिक एसिड किडनी में पथरी बनने से रोकता है और शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में सहायक होता है।

पाइनएप्पल जूस

दिन में एक गिलास ताजा अनानास का जूस पीना किडनी के लिए बेहद फायदेमंद है। अनानास का जूस शरीर को हाइड्रेटेड रखता है और किडनी को साफ करने में मदद करता है। आप इसमें पुदीना के पत्ते मिलाकर भी एक पौष्टिक जूस बना सकते हैं।

पपीते और मौसंबी का जूस

पपीता और मौसंबी दोनों ही किडनी के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। पपीते में पपैन नामक एंजाइम होता है, जो किडनी की सफाई में सहायक है, जबकि मौसंबी में विटामिन–सी होता है, जो किडनी के स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। इन दोनों का जूस पीने से किडनी की पथरी और अन्य समस्याओं से बचाव हो सकता है।

अदरक और नींबू की चाय

अदरक और नींबू दोनों ही किडनी के लिए फायदेमंद होते हैं। अदरक किडनी की सूजन कम करता है और नींबू किडनी को साफ रखता है। इसे बनाने के लिए 1 कप पानी उबालें, उसमें 1 इंच अदरक और आधा नींबू का रस मिलाकर पिएं।

पानी

किडनी के लिए सबसे महत्वपूर्ण ड्रिंक पानी है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से किडनी की क्लीनिंग होती रहती है और किडनी के टॉक्सिन्स भी फ्लश आउट होते हैं। इसलिए, दिन में कम से कम 8 से 10 गिलास पानी पीने की कोशिश करें। इन ड्रिंक्स को अपनी डाइट में शामिल करके आप अपनी किडनी के स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। नियमित रूप से इनका सेवन करने से आपकी किडनी विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में सक्षम रहेगी, और आप स्वस्थ महसूस करेंगे। किडनी के स्वास्थ्य का ख्याल रखना न केवल आपकी किडनी के लिए बल्कि आपके समग्र स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है।

संक्षिप्त

रिजर्व बैंक ने बैंकों को अधिग्रहण के लिए फंड देने को मसौदा मानदंड जारी किए

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को बैंकों को भारतीय कंपनियों द्वारा अधिग्रहण के लिए फंड देने और आईपीओ तथा एफपीओ के माध्यम से शेयर खरीदने के लिए व्यक्तियों को दिए जाने वाले ऋण की राशि बढ़ाने की अनुमति देने के लिए मसौदा मानदंड जारी किए। रिजर्व बैंक ने एक अप्रैल, 2026 से तर्कसंगत मानदंडों को लागू करने का प्रस्ताव दिया है। यह एक ऐसा कदम है, जो कंपनियों के लिए अधिक वित्त पोषण के रास्ते खोलेगा। केंद्रीय बैंक ने कहा कि मसौदा भारतीय रिजर्व बैंक (वाणिज्यिक बैंक – पूंजी बाजार ऋण) दिशानिर्देश, 2025 ऐसे ऋण को नियंत्रित करने वाले नियमों को तर्कसंगत और एकीकृत करने का प्रयास करता है। केंद्रीय बैंक ने इस पर 21 नवंबर, 2025 तक अंशधारकों से टिप्पणियां आमंत्रित की हैं। यह भारतीय बैंकों की लंबे समय से लंबित मांग रही है। हाल ही में, भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन सी एस सेट्टी ने भी वैश्विक ऋणदाताओं की तरह बैंकों को विलय और अधिग्रहण के लिए धन मुहैया कराने की अनुमति देने के संबंध में मजबूती से अपना पक्ष रखा था। मसौदे के मुताबिक, ''एक बैंक अधिग्रहण मूल्य का अधिकतम 70 प्रतिशत वित्त पोषण कर सकता है। अधिग्रहण मूल्य का कम से कम 30 प्रतिशत अधिग्रहण करने वाली कंपनी को अपने धन का उपयोग करके इक्विटी के रूप में वित्त पोषित करना होगा।'' मसौदे में आगे कहा गया है कि बैंक कुछ शर्तों के अधीन आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ), अनुवर्ती सार्वजनिक पेशकश (एफपीओ), या कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना (ईएसओपी) के तहत शेयरों की खरीद के लिए व्यक्तियों को 25 लाख रुपये प्रति व्यक्ति तक ऋण दे सकते हैं। इसकी मौजूदा सीमा 10 लाख रुपये है।

सेबी का बिना दावे वाली गैर-परिवर्तनीय प्रतिभूतियों के नियमों को मानकीकृत करने पर विचार

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने शुक्रवार को गैर–परिवर्तनीय प्रतिभूतियां जारी करने वाली संस्थाओं के लिए नियमों को मानकीकृत करने के लिए बदलावों का प्रस्ताव रखा। इसके तहत, दावा न की गई राशियों को परिपक्वता के सात वर्ष बाद ही हस्तांतरित करने की अनुमति की जाएगी। नियामक ने अपने परामर्श पत्र में सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं (एलओडीआर) विनियमों में संशोधन का प्रस्ताव रखा है, ताकि उन्हें कंपनी अधिनियम, 2013 और निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण कोष (आईईपीएफ) नियमों के प्रावधानों के अनुरूप बनाया जा सके।

अध्ययनः प्रति व्यक्ति अधिक आय के बावजूद दक्षिण भारतीय कर्ज लेने में आगे, जानिए राज्यों का हाल

देश के ग्रामीण, कम शिक्षित और छोटे परिवार कर्ज के बोझ में ज्यादा डूबे हैं। शहरी, अधिक पढ़े–लिखे और तुलनात्मक रूप से बड़े परिवार कर्ज के मोर्चे पर इनसे बेहतर स्थिति में हैं। देश के पुरुषों के मुकाबले महिलाएं बेहतर स्थिति में हैं और उन पर कर्ज काफी कम है। सांख्यिकी मंत्रालय की अर्धवार्षिक पत्रिका सर्वेक्षण के ताजा अंक में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक, ग्रामीण इलाकों में रहने वाले 15 फीसदी परिवारों पर किसी न किसी तरह का कर्ज है, जबकि शहरों में यह हिस्सा 14 फीसदी है।घ्वहीं, 15 फीसदी गैर–शिक्षित और 15.7 फीसदी प्राथमिक या माध्यमिक तक पढ़े–लिखे परिवार कर्ज में डूबे हुए हैं, जबकि उच्च शिक्षित परिवारों में यह आंकड़ा सिर्फ 13.2 फीसदी है। अध्ययन के मुताबिक, चार लोगों से कम संख्या वाले देश के 17.8 फीसदी परिवार कर्ज तले दबे हैं। यह अपेक्षाकृत बड़े परिवारों की तुलना में अधिक है। अधिकतम आठ लोगों की संख्या वाले सिर्फ 10 फीसदी परिवारों पर ही किसी न किसी तरह का कर्ज है। महिलाओं के मोर्चे पर यह आंकड़ा सिर्फ 9.1 फीसदी है।घ्इनकी तुलना में देश के 20 फीसदी पुरुषों पर किसी न किसी तरह का बकाया कर्ज है।

स्वरोजगारी, वेतनभोगी व दिहाड़ी श्रमिक ज्यादा कर्जदार

अध्ययन के मुताबिक, देश के 32 फीसदी स्वरोजगार लोग कर्ज तले दबे हुए हैं, जो सबसे ज्यादा है। कर्ज लेने वाले वेतनभोगियों की हिस्सेदारी 22.8 फीसदी है। 22.5 फीसदी दिहाड़ी श्रमिकों और हेल्पर के रूप में काम करने वाले 13.4 फीसदी लोगों ने कोई न कोई कर्ज ले रखा है। जो लोग कोई कार्य नहीं करते हैं या काम के लिए उपलब्ध हैं, उनमें से 5. 1 फीसदी कर्जदार हैं।

अध्ययन में राष्ट्रीय

सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के 78वें दौर (2020–21) के मल्टीपल इंडिकेटर सर्वे (एमआईएस) के आंकड़ों का उपयोग किया गया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि दक्षिणी राज्यों में लोगों की प्रति व्यक्ति आय अधिक है। उनके पास अधिक संपत्ति है और वित्तीय समावेशन भी बेहतर है। यही कारण है कि इन राज्यों में ऋण लेने और उसे चुकाने की क्षमता भी अधिक है। वहां के लोगों के पास खर्च करने लायक आमदनी भी अधिक है।

हर्षित पहले आठ वनडे में सर्वाधिक विकेट लेने वाले पांचवें भारतीय, सिडनी में गेंदबाजों का दिखा दम

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले जा रहे तीसरे वनडे मुकाबले में भारतीय गेंदबाजों का दम दिखा। हर्षित राणा की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने दमदार प्रदर्शन किया जिससे ऑस्ट्रेलिया की टीम विशाल स्कोर खड़ा नहीं कर सकी। अपनी दमदार गेंदबाजी की मदद से हर्षित ने एक खास उपलब्धि हासिल कर ली है और वह शुरुआती आठ वनडे मैचों में सर्वाधिक विकेट लेने वाले पांचवें भारतीय बन गए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे वनडे मुकाबले में भारत के सामने 237 रनों का लक्ष्य रखा। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया की पारी 46.4 ओवर में 236 रन पर ऑलआउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए मैट रेनशॉ ने अर्धशतक लगाया और सबसे ज्यादा 56 रन बनाए।

अच्छी शुरुआत के बाद लड़खड़ाई पारी

पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया को मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड ने अच्छी शुरुआत दिलाई। इन दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़े। भारत को पहली सफलता सिराज ने दिलाई। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई पारी थोड़ी लड़खड़ा गई। हालांकि, रेनशॉ और एलेक्स कैरी के बीच चौथे विकेट के लिए 59 रनों की साझेदारी हुई जिसे हर्षित राणा ने एलेक्स कैरी को आउट कर तोड़ा। इसके बाद रेनशॉ भी अर्धशतक लगाकर पवेलियन लौट गए। ऑस्ट्रेलिया ने इसके बाद नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। पिछले दो मैच की तुलना में इस मुकाबले में भारत का गेंदबाजी आक्रमण बेहतर नजर आया।

ऑस्ट्रेलिया की पारी

ऑस्ट्रेलिया के लिए रेनशॉ के अलावा मार्श ने 41, मैथ्यू शॉर्ट ने 30, ट्रेविस हेड ने 29, एलेक्स कैरी ने 24, कूपर कोनोली ने 23, नाथन एलिस ने 16, मिचेल स्टार्क ने 2 और मिचेल ओवन ने 1 रन बनाए।

गेंदबाज	प्रदर्शन	बनाम	वर्ष
जवागल श्रीनाथ	4/30	ऑस्ट्रेलिया	2000
मदन लाल	4/37	न्यूजीलैंड	1985
हर्षित राणा	4/39	ऑस्ट्रेलिया	2025
उमेश यादव	4/72	ऑस्ट्रेलिया	2015

एडम जांपा दो रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि जोश हेजलवुड खाता भी नहीं खोल सके। भारत की ओर से हर्षित के चार विकेट के अलावा वाशिंगटन सुंदर को दो सफलता मिली, जबकि सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल को एक–एक विकेट मिला।

दिग्गजों की सूची में शामिल हुए हर्षित

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी वनडे में अपने दमदार प्रदर्शन की मदद से हर्षित दिग्गजों की सूची में शामिल हो गए हैं। हर्षित ने भारत के लिए पहले आठ वनडे मैचों में 16 विकेट लिए हैं और उन्होंने इस मामले में रविचंद्रन अश्विन की बराबरी कर ली है। भारत के लिए पहले आठ वनडे मैचों में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अजीत अगरकर और प्रसिद्ध कृष्णा के नाम है। इन दोनों गेंदबाजों ने इस दौरान 19 विकेट लिए हैं। इस सूची में दूसरे स्थान पर जसप्रीत बुमराह हैं जिन्होंने अपने पहले आठ वनडे मैचों में 17 विकेट लिए हैं।

ऑस्ट्रेलिया की पारी लड़खड़ाई

ऑस्ट्रेलिया इस मैच में अच्छी शुरुआत को बरकरार नहीं रख सका।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को तीसरे वनडे में नौ विकेट से हराया, रोहित-कोहली की शानदार साझेदारी

सिडनी। रोहित शर्मा और विराट कोहली की शानदार साझेदारी की मदद से भारत ने तीसरे वनडे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को नौ विकेट से हरा दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 46.4 ओवर में 236 रन बनाए। जवाब में रोहित शर्मा ने शतक लगाया और कोहली ने अर्धशतकीय पारी खेली। इन दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 168 रनों की साझेदारी हुई जिसके दम पर भारत ने 38.3 ओवर में एक विकेट पर 237 रन बनाकर मैच जीता। ऑस्ट्रेलिया ने हालांकि, तीन मैचों की यह सीरीज 2–1 से अपने नाम की। इस मैच में भारतीय गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया और ऑस्ट्रेलिया को बड़ा स्कोर बनाने से रोका। लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित और गिल ने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी हुई। इसे जोश हेजलवुड ने गिल को आउट कर तोड़ा। इसके बाद रोहित और कोहली की जोड़ी ने मोर्चा संभाला और ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों की जमकर क्लास ली। यह दोनों बल्लेबाज अंत तक टिके रहे और नाबाद रहते हुए पवेलियन लौटे। रोहित ने 125 गेंदों पर 13 चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 121 रन बनाए, जबकि कोहली 81 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 74 रन बनाकर नाबाद लौटे।

पहला रन लेने पर इस तरह कोहली ने दी प्रतिक्रिया

कोहली ने जैसे ही पहली गेंद पर रन लिया, दर्शकों ने ताली बजाकर उनका अभिवादन किया। जाहिर है कि पहले दो मैच में शून्य पर आउट होने के बाद कोहली पर कहीं ना कहीं दबाव था। कोहली का संभवतरू यह आखिरी ऑस्ट्रेलिया दौरा है, ऐसे में सिडनी में उन्हें खेलते देखना दर्शकों के लिए विशेष है। कोहली ने जैसे ही इस मैच में खाता खोला वह हंसने लगे और उन्होंने हाथ हिलाकर इसका जश्न मनाया। कोहली एक रन बनाने से इतने खुश हुए जैसे कि उन्होंने शतक लगा दिया हो। कमेंटेटर भी कोहली की इस प्रतिक्रिया को देखकर चौंक गए।

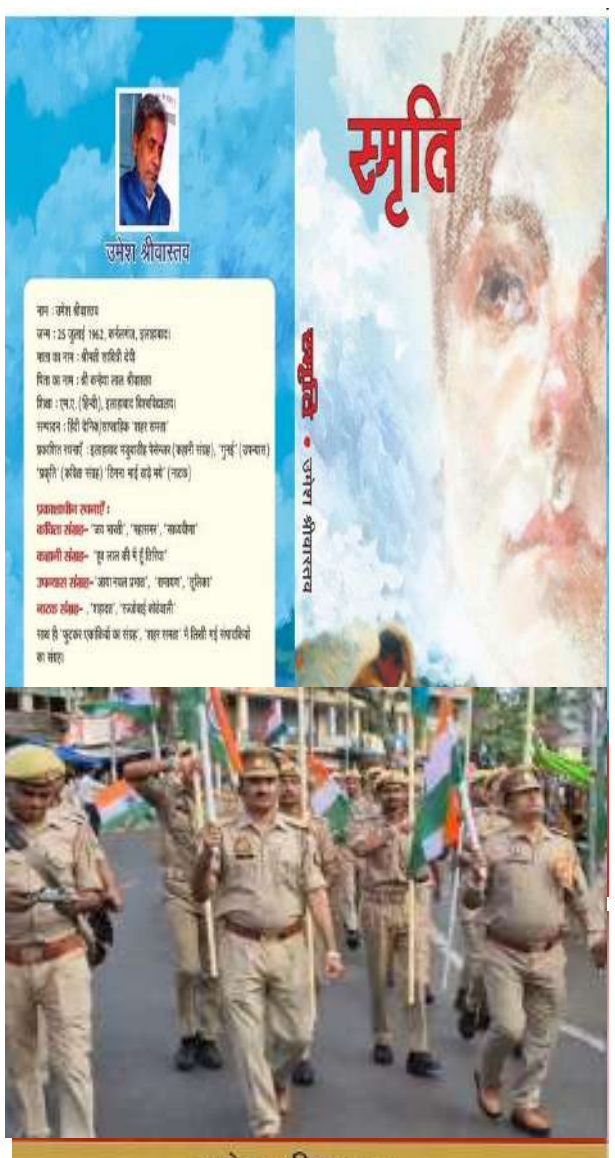

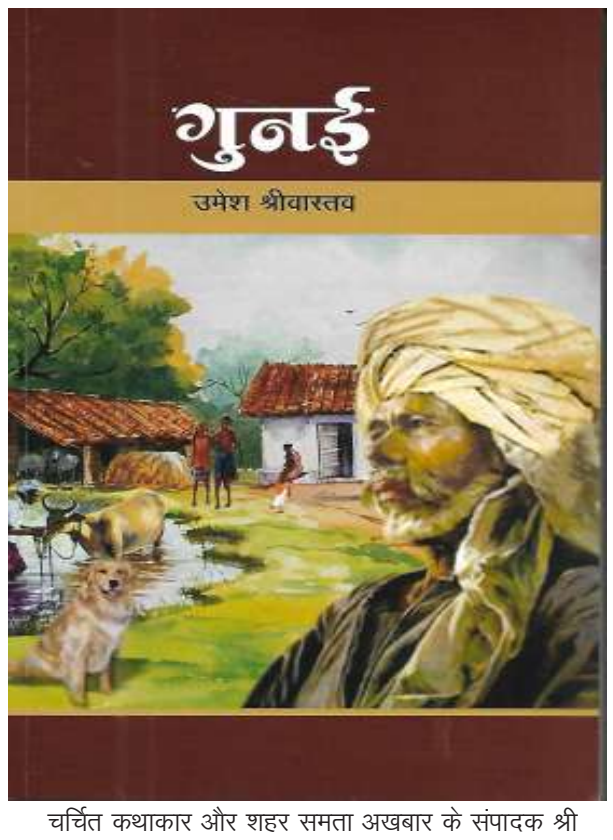

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

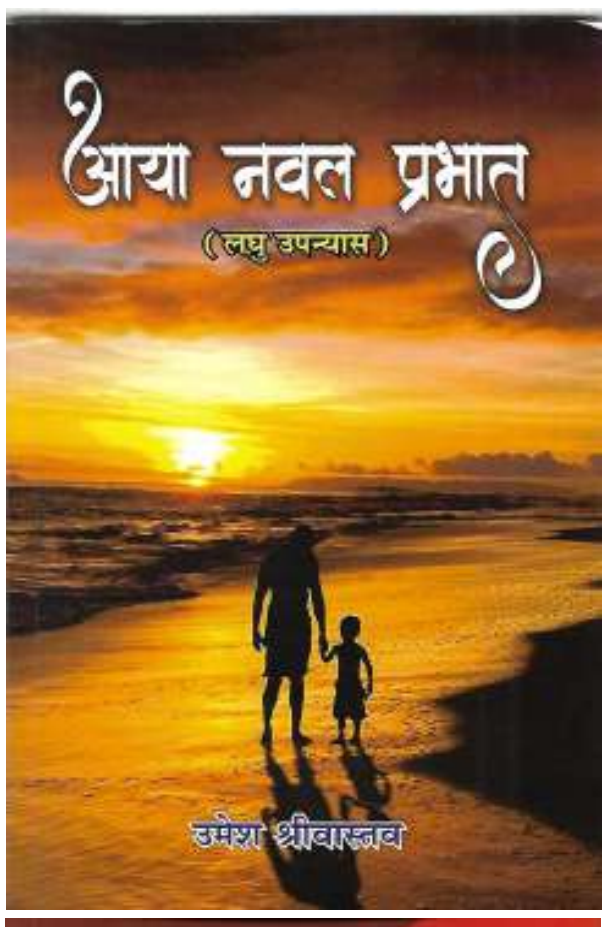

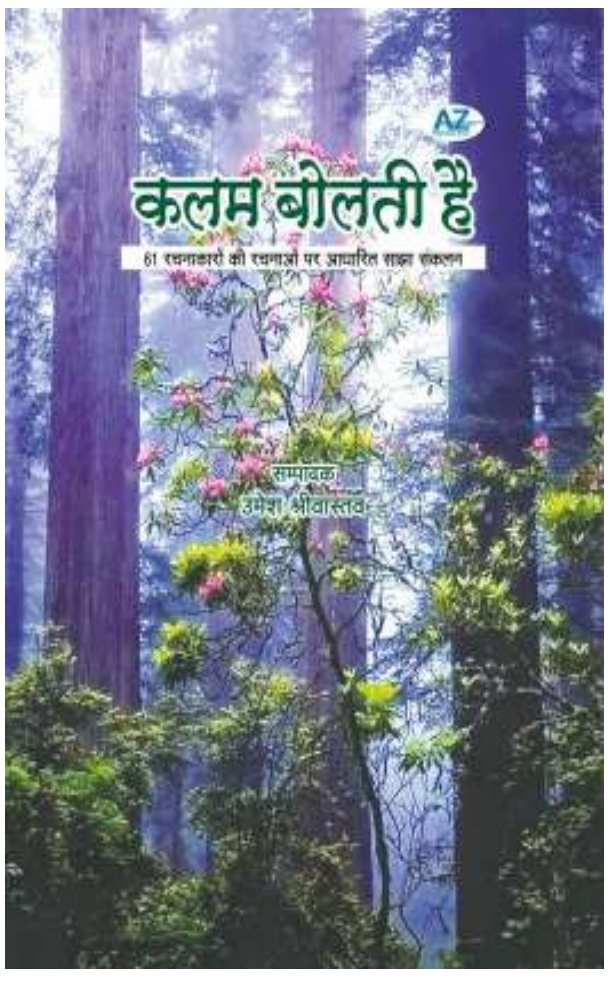

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

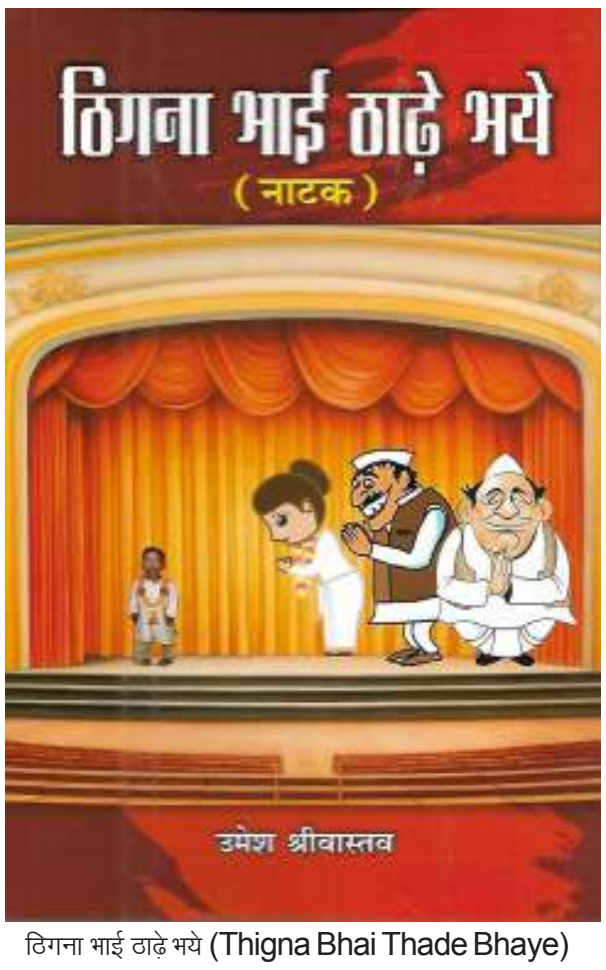

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप ने शुल्क संबंधी विज्ञापन के कारण कनाडा के साथ सभी व्यापार वार्ताएं समाप्त कीं

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि वह कनाडा के साथ "सभी व्यापार वार्ताएं" समाप्त कर रहे हैं, क्योंकि उसके एक प्रांत द्वारा प्रायोजित एक टेलीविजन विज्ञापन में अमेरिकी शुल्क की आलोचना करते हुए (अमेरिका के) पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। ट्रंप की इस घोषणा के बाद प्रांत के नेता ने विज्ञापन हटाने का फैसला किया। ट्रंप के सोशल मीडिया पर बृहस्पतिवार रात को साझा किए गए पोस्ट के बाद से अमेरिका और कनाडा के बीच तनाव बढ़ गया है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा है कि ट्रंप के शुल्क से उत्पन्न

खतरे के कारण वह अमेरिका के अलावा अन्य देशों में अपने देश के निर्यात को दोगुना करने की योजना बना रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' के अधिकारियों ने कहा कि ट्रंप की प्रतिक्रिया व्यापार वार्ता में कनाडा की रणनीति को लेकर प्रशासन की लंबे समय से बरकरार हताशा का परिणाम है। ओंटारियो के प्रीमियर डग फोर्ड ने शुक्रवार को बाद में कहा कि विज्ञापन को हटा दिया जाएगा। उनके प्रांत ने इस विज्ञापन को प्रायोजित किया था। फोर्ड ने कहा कि प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से बातचीत के बाद उन्होंने सोमवार से विज्ञापन हटाने का फैसला किया है ताकि व्यापार वार्ता फिर से शुरू हो सके। फोर्ड ने कहा कि उन्होंने अपना लक्ष्य हासिल कर लिया है और अमेरिकी दर्शकों तक उच्चतम स्तर पर पहुंच बना ली है। इससे पहले ट्रंप ने अपनी पोस्ट में कहा, रोनाल्ड रीगन फाउंडेशन ने अभी कहा कि कनाडा ने धोखाधड़ी से एक विज्ञापन तैयार किया है, जिसमें रोनाल्ड रीगन शुल्क के बारे में नकारात्मक बातें करते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह फर्जी है। ट्रंप ने लिखा, यह विज्ञापन 75,000 अमेरिकी डॉलर का था। उन्होंने ऐसा सिर्फ अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट और अन्य अदालतों के फैसलों में दखलअंदाजी करने के लिए किया। उन्होंने कहा, शुल्क अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के लिए बेहद अहम हैं। कनाडा के इस बुरे व्यवहार के कारण उसके साथ सभी व्यापारिक वार्ताएं समाप्त की जाती हैं।

सीमा पर शांति के लिए दूसरा मौका! तुर्किये में फिर मिलेंगे पाकिस्तान और अफगानिस्तान

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के अधिकारी सीमा पर जारी तनाव का बातचीत के जरिये समाधान निकालने के लिए शनिवार को तुर्किये में दूसरे दौर की बातचीत करेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कतर की राजधानी दोहा में 19 अक्टूबर को पहले दौर की वार्ता के बाद पाकिस्तान–अफगानिस्तान सीमा पर अस्थायी रूप से शांति बहाल होने के बाद यह वार्ता हो रही है। इस वार्ता की मेजबानी कतर और तुर्किये ने की थी और दोनों पक्ष आपसी सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के उद्देश्य से 25 अक्टूबर को इस्तांबुल में फिर से मुलाकात करने पर सहमत हुए थे। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने शुक्रवार को एक बयान में पुष्टि की कि निर्धारित कार्यक्रम के तहत आगामी वार्ता होगी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस्तांबुल में तुर्किये की मेजबानी में होने वाली अगली बैठक में एक ठोस निगरानी तंत्र स्थापित किए

जाने की उम्मीद करता है। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहउल्ला मुजाहिद ने भी इस्तांबुल वार्ता की पुष्टि करते हुए कहा कि अफगान प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व गृह मंत्रालय के उप मंत्री मौलवी रहमतुल्लाह नजीब करेंगे। मुजाहिद ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, बैठक में (पाकिस्तान के साथ) बाकी मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। साल 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद सेपाकिस्तान में आतंकवादी हमले बढ़े हैं। पाकिस्तान ने बार–बार अफगान अधिकारियों से पाकिस्तान में हमले करने के लिए अफगान धरती का इस्तेमाल करने वाले तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों पर लगाम लगाने का आग्रह किया है, लेकिन इस मामले में उसे सीमित सफलता मिली है। बढ़ते अविश्वास के कारण 2,611 किलोमीटर लंबी सीमा डूरंड लाइन पर हाल ही में कई बार झड़प हो चुकी हैं। अफगानिस्तान आधिकारिक तौर पर डूरंड लाइन को मान्यता नहीं देता।

सिंगापुर के अस्पताल में एक व्यक्ति का उत्पीड़न करने के आरोप में नर्स को जेल

सिंगापुर के एक अस्पताल में नर्स के तौर पर काम करने वाले भारतीय नागरिक को एक व्यक्ति के उत्पीड़न का आरोप स्वीकार करने के बाद एक वर्ष और दो महीने की जेल और दो कोड़े मारे जाने की सजा सुनाई गई है। 'द स्ट्रेट टाइम्स' की खबर के अनुसार एलिप शिवा नागू (34) ने जून में रेफल्स अस्पताल में एक पुरुष आगंतुक का उत्पीड़न किया था। खबर में कहा गया है कि नागू ने दावा किया था कि वह पीड़ित व्यक्ति को "कीटाणु मुक्त" करना चाहता था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

भारत-रूस के खिलाफ यूरोप ने लिया एक्शन, 3 तेल कंपनियों पर ठोका बैन

यूरोपियन यूनियन ने वैसे तो एक्शन रूस पर लिया है, लेकिन प्रभाव भारत से लेकर चीन तक पर है। क्योंकि यूरोपियन यूनियन ने ऐसे वक्त में भारत की तीन कंपनियों को निशाना बनाया है जब भारत और यूरोप के बीच फ्री ट्रेड बाईलैट्रल पर बातचीत तेजी से चल रही है। अंतिम चरण में बातचीत है। इसी साल एफटीए होने का अनुमान है। इन सब के बीच रूस के खिलाफ ईयू ने जो फैसला लिया है, उसमें तीन भारतीय कंपनियों को भी निशाना बनाया है। ईयू ने रूस और उससे जुड़ी 45 इकाइयों पर प्रतिबंध लगाए हैं। इनमें 12 चीन, तीन भारत और दो थाईलैंड की हैं। ईयू ने रूसी राजनयिकों की आवाजाही पर रोक लगा दी है। प्रतिबंधों के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 2 डॉलर प्रति बैरल बढ़कर 64 डॉलर पर पहुंच गए। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने फिर से कहा कि भारत इस साल के अंत तक रूस से तेल खरीद बंद कर देगा। यह एक प्रक्रिया है, जो समय लेगी।

अमेरिका का रूस की दो तेल कंपनियों पर बैन

क्रेन युद्ध खत्म करने का दबाव बढाने के मकसद से अमेरिका ने रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों पर नए प्रतिबंध लगाए है। प्रतिबंध के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज के रूस से कच्चे तेल के आयात पर असर पड़ने के आसार है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड सीधे रूस की श्रोसनेफ्टश से कच्चा

तेल खरीदती है। यह भारत में रूसी कच्चे तेल की सबसे बड़ी खरीदार है। रूस से देश के प्रतिदिन 17 लाख बैरल आयात का लगभग आधा हिस्सा खरीदती है। उधर, चीन ने अमेरिकी प्रतिबंधों का विरोध करते हुए कहा कि इनका अंतरराष्ट्रीय कानून में कोई आधार नहीं है।

भारत पर क्या असर

रोसनेफ्ट रूस की सबसे बड़ी एनर्जी कंपनी है, जो पेट्रोलियम, गैस बेचती है। लुकोइल रूस और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल–गैस की खोज, उत्पादन, रिफाइनिंग करती है। भारत की रिलायंस इंडस्ट्रीज का रोसनेफ्ट के साथ 25 साल का समझौता है। वह रोज 5 लाख बैरल कच्चा तेल आयात करती है। आगे क्याः अब रिलायंस ने गुरुवार को बयान जारी कर कहा है कि वह भारत सरकार की नई गाइडलाइन के हिसाब से अपने तेल आयात को एडजस्ट करेगी

रूस ने कहा– अमेरिका हमारा दुश्मन है

प्रतिबंधों के बाद रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि अमेरिका हमारा दुश्मन है। वो जंग में उतर आया है। उसके श्बातूनी शांति निर्माताश ने रूस के साथ युद्ध का रास्ता पूरी तरह अपना लिया है। रूस जीतेगा, कुछ भी नहीं छोड़ेगा।

पाक के परमाणु जखीरे पर था अमेरिका का सीधा कंट्रोल, पूर्व CIA एजेंट का सनसनीखेज दावा

पूर्व केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) प्रमुख जॉन किरियाको ने एक बड़ा धमाका करते हुए दावा किया है कि पाकिस्तान के परमाणु शस्त्रागार पर कभी अमेरिका का नियंत्रण था। सीआईए के साथ 15 साल तक काम कर चुके किरियाको ने कहा कि अमेरिका ने पूर्व राष्ट्रपति परवेज़ मुशर्रफ़ का सहयोग खरीदने के लिए पाकिस्तान को लाखों डॉलर की सहायता भी दी थी। उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में कहा जब मैं 2002 में पाकिस्तान में तैनात था, तो मुझे अनौपचारिक रूप से बताया गया था कि पेंटागन पाकिस्तानी परमाणु शस्त्रागार को नियंत्रित करता है क्योंकि मुशर्रफ़ को डर था कि कहीं कुछ गड़बड़ न हो जाए। लेकिन हाल के वर्षों में, पाकिस्तानियों ने इससे इनकार किया है। अगर पाकिस्तानी जनरलों का नियंत्रण होता, तो मुझे इस बात की बहुत चिंता होती कि राजनीतिक रूप से

कौन सत्ता में है।

अमेरिका को तानाशाहों के साथ काम करना पसंद है

अपने साक्षात्कार में किरियाको ने कहा कि मुशर्रफ़ ने अमेरिका को जो चाहे करने दिया। उन्होंने विदेशी मुद्दों में चुनिंदा नैतिकता की अमेरिकी नीति की भी आलोचना की और कहा कि वाशिंगटन तानाशाहों के साथ काम करना पसंद करता है। ईमानदारी से कहें तो, अमेरिका को तानाशाहों के साथ काम करना पसंद है। क्योंकि तब आपको जनमत और मीडिया की चिंता करने की ज़रूरत नहीं होती। और इसलिए हमने मुशर्रफ़ को खरीद लिया। हमने लाखों–करोड़ों डॉलर की सहायता दी, चाहे वह सैन्य सहायता हो या आर्थिक विकास सहायता। एएनआई के साथ साक्षात्कार के दौरान, किरियाकोउ ने परमाणु प्रसार और अब्दुल कादिर खान प्रकरण में सऊदी हस्तक्षेप पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब ने उस समय अमेरिका से कहा था कि ष्अल–क़दीर खान को अकेला छोड़ दो और आगे कहा कि रियाद के लिए अमेरिका की नीति सरल है – हम उनका तेल खरीदते हैं और वे हमारे हथियार खरीदते हैं। रियाद के इस्लामाबाद के साथ संबंधों के बारे में आगे बात करते हुए, किरियाकोउ ने कहा कि लगभग पूरी सऊदी सेना पाकिस्तानी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी ही ज़मीन पर सऊदी अरब की रक्षा करते हैं।

अफगानिस्तान से बुर्के में छिपकर भागा था ओसामा बिन लादेन, पूर्व सीआईए अधिकारी का चौंकाने वाला खुलासा

वॉशिंगटन। अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के पूर्व अधिकारी जॉन किरियाकू ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने बताया है कि खूंखार आतंकी संगठन अल–कायदा का संस्थापक और एक समय अमेरिका का सबसे वांछित आतंकी रहा ओसामा बिन लादेन अफगानिस्तान की तोरा–बोरा की पहाड़ियों से महिला के वेश में पाकिस्तान भागा था। न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में जॉन किरियाकू ने बताया कि अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड के कमांडर का अनुवादक असल में अल कायदा का ऑपरेटिव था और उसी ने ओसामा बिन लादने को भागने में मदद की थी। किरियाकू ने बताया कि हमें नहीं पता था कि हमारी सेंट्रल कमांड के कमांडर का अनुवादक अल कायदा का आतंकी

था, जिसने अमेरिकी सेना में घुसपैठ कर रखी थी। जब हमें पता चला कि लादेन घिर चुका है तो हमने उसे उसी अनुवादक के जरिए पहाड़ियों से नीचे आने को कहा। इस पर अल कायदा की तरफ से महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित निकलने देने और आत्मसमर्पण के लिए सुबह तक का समय देने की मांग की गई। उस अनुवादक ने हमारे कमांडर को इसके लिए मना लिया, लेकिन इस बीच लादेन अंधेरे का फायदा उठाकर और महिला के वेश में बुर्के में छिपकर वहां से भागने में सफल रहा और पाकिस्तान पहुंच गया। पूर्व सीआईए अधिकारी ने बताया कि जब दिन निकल गया तो हमें पता चला कि तोरा–बोरा की पहाड़ियों में कोई नहीं था। सभी आतंकी भाग चुके थे। इसलिए हमने अपनी लड़ाई को पाकिस्तान में लड़ने का फैसला किया। अमेरिका ने बाद में साल 2011 में 9/11 के आतंकी हमले के मास्टरमाइंड ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान के एबटाबाद में एक ऑपरेशन चलाकर ढेर कर दिया था। जिसके बाद पाकिस्तान और आतंकियों के गठजोड़ का पूरी दुनिया के सामने खुलासा हुआ था। किरियाकू ने ये भी दावा किया कि जब वे साल 2002 में पाकिस्तान में सीआईए के आतंक रोधी ऑपरेशंस के प्रमुख के तौर पर तैनात थे, तब उन्हें औपचारिक रूप से बताया गया था पाकिस्तान के परमाणु हथियारों का नियंत्रण पेंटागन के पास है। उनका कहना था कि मुशर्रफ ने डर के चलते यह नियंत्रण अमेरिका को सौंप दिया था। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि पिछले दो दशकों में पाकिस्तानी सेना ने इसे सिरे से नकारा है।

FATF ने पाकिस्तान को सख्त लहजे में दी चेतावनी, नहीं सुधरे तो फिर कसेंगे फंदा

वैश्विक आतंकवाद के वित्तीय जाल पर नज़र रखने वाली संस्था फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने एक बार फिर पाकिस्तान को सख़्त चेतावनी दी है कि अक्टूबर 2022 में "ग्रे लिस्ट" से हटाया जाना उसे जांच और निगरानी से मुक्त नहीं करता। दरअसल, पाकिस्तान ने कई वर्षों तक आतंक वित्तपोषण और मनी लॉन्ड्रिंग पर कार्रवाई के नाम पर सिर्फ़ दिखावटी सुधार किए हैं और अब जब फिर से उसके आतंकी नेटवर्क डिजिटल माध्यमों से सक्रिय हो रहे हैं। इसे देखते हुए FATF ने साफ़ संकेत दे दिया है कि उसकी छूट अस्थायी है और किसी भी समय फिर से शिकंजा कसा जा सकता है। हम आपको बता दें कि थ्।ज्थ् की

अध्यक्ष एलिसा डे आंडा माद्राज़ो ने पेरिस में आयोजित सत्र में कहा, "कोई भी देश, चाहे वह ग्रे लिस्ट से बाहर आ चुका हो, अपराधियों या आतंकियों की गतिविधियों से सुरक्षित नहीं माना जा सकता। सभी देशों को अपनी वित्तीय प्रणाली को स्वच्छ रखने के लिए प्रयास जारी रखने होंगे।" यह बयान पाकिस्तान के लिए किसी सख़्त फटकार से कम नहीं है। 2022 में ग्रे लिस्ट से हटने के बाद इस्लामाबाद ने इसे अपनी "कूटनीतिक जीत" बताया था, परंतु हक़ीक़त यह है कि पाकिस्तान अब भी एशिया–पैसिफिक ग्रुप के "फ़ॉलो–अप" निगरानी तंत्र के अधीन है। यानी FATF के मापदंडों पर उसकी निरंतर जांच जारी है। FATF की रिपोर्टों में यह भी सामने आया है कि पाकिस्तान में सक्रिय आतंकी संगठन, जैसे जैश–ए–मोहम्मद और लश्कर–ए–तैयबा, अब डिजिटल वॉलेट, क्रिप्टोकरेंसी और ऑनलाइन क्राउडफंडिंग जैसे माध्यमों से पैसा जुटा रहे हैं। ये संगठन सोशल मीडिया और ई–कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म्स के ज़रिए अपने "समर्थकों" से धन एकत्र कर रहे हैं, ताकि ट्रेसिंग से बचा जा सके। इसी क्रम में FATF ने खुलासा किया कि भारत में कई आतंकी घटनाओंकृ पुलवामा (2019), गोरखनाथ मंदिर हमला और पहलगाम हमले में इस्तेमाल हुए विस्फोटक उपकरणों की खरीद ई–कॉमर्स साइटों के माध्यम से की गई थी। इससे यह स्पष्ट हो गया कि आतंकवादी अब पारंपरिक बैंकिंग चौनलों की बजाय डिजिटल रास्तों से अपने नेटवर्क को संचालित कर रहे हैं। हम आपको याद दिला दें कि पुलवामा हमले के पीछे पाकिस्तानी संगठन जैश–ए–मोहम्मद की भूमिका FATF और भारतीय एजेंसियों, दोनों ने प्रमाणित की थी। इसके बावजूद पाकिस्तान ने अब तक उस हमले में शामिल व्यक्तियों और संगठनों के विरुद्ध कोई ठोस दंडात्मक कदम नहीं उठाया। देखा जाये तो यह विडंबना है कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खुद को आतंकवाद के खिलाफ सहयोगी बताता है, जबकि उसकी धरती पर आतंकी संगठनों को अब भी सरकारी संरक्षण प्राप्त है। FATF की ताज़ा चेतावनी इसीलिए अहम है क्योंकि यह दिखाती है कि पाकिस्तान की विश्वसनीयता अब भी संदिग्ध बनी हुई है। हम आपको बता दें कि भारत के राष्ट्रीय जोखिम आकलन (National Risk Assessment 2022) में पाकिस्तान को "उच्च जोखिम वाले देश" के रूप में चिन्हित किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, FATF के नियमों का पालन करने के बावजूद, पाकिस्तान की नीति राज्य–प्रायोजित आतंकवाद (State-sponsored Terrorism) से अलग नहीं हुई है। FATF की एक अन्य रिपोर्ट ने तो पाकिस्तान के National Development Complex को दक्षिण एशिया में Proliferation Risk (हथियार निर्माण के प्रसार का खतरा) के रूप में भी चिन्हित किया है। पाकिस्तान ने अगर आतंकवाद को प्रश्रय देना बंद नहीं किया तो जल्द ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए इस्लामाबाद का समर्थन करना मुश्किल हो जायेगा क्योंकि इस बार थ्।ज्थ् की चेतावनी काफी सख्त लहजे में आई है। साथ ही ट्रंप का वर्तमान वैश्विक एजेंडा "च्मंबम जीतवनही ेजतमदहजी" और "छव ब्वउचतवउपेम वद ैमबनतपजल" के इर्द–गिर्द घूमता है। ऐसे में पाकिस्तान, जो अफ़ग़ानिस्तान और भारत के खिलाफ आतंकवाद का अड्डा बन चुका है, उसके लिए वॉशिंगटन से कोई सहानुभूति या आर्थिक राहत की उम्मीद करना मुश्किल हो सकता है। यह पूरा प्रकरण भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। थ्।ज्थ् की यह चेतावनी पाकिस्तान के आतंक नेटवर्क के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दबाव को फिर से सक्रिय कर सकती है। भारत को इस अवसर का उपयोग करते हुए अपने कूटनीतिक चौनलों के माध्यम से यह सुनिश्चित करना होगा कि पाकिस्तान न केवल निगरानी में रहे बल्कि उसके खिलाफ ठोस वित्तीय प्रतिबंध भी जारी रहें। वैसे तो भारत ने हमेशा थ्।ज्थ् में पाकिस्तान की गतिविधियों के ठोस साक्ष्य रखे हैं, लेकिन अब यह समय है जब इन प्रमाणों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जाए। बहरहाल, पाकिस्तान की स्थिति आज एक ऐसे अपराधी की तरह है जिसे अदालत से "अस्थायी जमानत" तो मिल गई है, लेकिन हर दिन उस पर नई निगरानी बढ़ रही है। FATF की चेतावनी साफ़ है कि पाकिस्तान अपनी कथित "सुधार" की ढाल के पीछे ज्यादा देर नहीं छिप पाएगा और इस बार उसे उसका सबसे बड़ा आका भी नहीं बचा पाएगा।

यूरोपीय संघ के प्रतिबंध लगाने पर भड़का रूस, चेतावनी देते हुए कहा– ईयू खुद को अलग–थलग कर रहा

मॉस्को।। यूरोपीय संघ द्वारा हाल ही में ब्रुसेल्स में हुई बैठक में रूस पर 19वां प्रतिबंध लगाने का एलान किया। यूरोपीय संघ के इस कदम से रूस भड़क गया है और रूस ने नए प्रतिबंध को अवैध बताते हुए चेतावनी दी कि इस कदम से यूरोपीय संघ खुद को अलग–थलग कर रहा है।

यूरोपीय संघ ने रूस पर जो नए प्रतिबंध लगाए हैं, उनके तहत 2026 तक यूरोपीय संघ के बाजारों तक रूस की एलएनजी की आपूर्ति को प्रतिबंधित कर दिया गया है। रूस की कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया गया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।